Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक
# वेलकम इंडिया
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 248 | गुरुवार, 17 सितम्बर-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

# माफिया की तरह समाप्त हो गया इंसेफेलाइटिस : मुख्यमंत्री

## आईएमए गोरखपुर के चैरिटेबल ब्लड बैंक का सीएम योगी ने किया उद्घाटन

**वेलकम इंडिया, नेटवर्क**

**गोरखपुर।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि साढ़े नौ वर्ष पहले पूर्वी उत्तर प्रदेश में इंसेफेलाइटिस से तड़पते बच्चों और दम तोड़ते बचपन को देखकर हर जागरूक माता-पिता चिंतित रहता था। पर, अब यह चिंता खत्म हो चुकी है। उन्होंने कहा कि माफिया और मच्छर की तरह इंसेफेलाइटिस भी समाप्त हो गया है। अब हम नए युग में नए गोरखपुर और नए उत्तर प्रदेश का दर्शन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार प्रदेश के सभी जिला अस्पतालों में दस-दस बेड की डायलिसिस यूनिट की सुविधा शुरू कर रही है।

सीएम योगी बुधवार पूर्वाह्न इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) गोरखपुर की तरफ से संचालित चैरिटेबल ब्लड बैंक के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने फीता काटकर चैरिटेबल ब्लड सेंटर का उद्घाटन किया और सेंटर का भ्रमण कर वहां उपलब्ध सुविधाओं, उपकरणों और व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

उद्घाटन समारोह के मंच से पूर्वी उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं में आए सकारात्मक परिवर्तन का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि साढ़े नौ वर्ष पहले गोरखपुर का बीआरडी मेडिकल कॉलेज ही इस क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं का प्रमुख केंद्र था। स्थिति यह थी कि एक ही बेड पर चार-चार मरीज तक भर्ती रहते थे। तीसरी मंजिल पर इंसेफेलाइटिस वार्ड था और वहां पंखे, शौचालय एवं अन्य जरूरी सुविधाओं का अभाव था। उन्होंने कहा कि पहले जो बीआरडी मेडिकल कॉलेज स्वयं अस्वस्थ था, आज वही सुपर स्पेशियलिटी सेंटर और इंसेफेलाइटिस समेत विभिन्न बीमारियों के उपचार का प्रमुख केंद्र बन गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपुर में एम्स भी स्थापित हो चुका है। महाराजगंज, कुशीनगर, देवरिया, सिद्धार्थनगर, बस्ती, बलरामपुर, बहराइच, गोंडा, अयोध्या और अंबेडकरनगर समेत विभिन्न जिलों में मेडिकल कॉलेज शुरू हो चुके हैं। प्रदेश में 75 जिले हैं, जबकि मेडिकल कॉलेजों की संख्या 85 हो गई है। दो एम्स भी संचालित हैं। एमबीबीएस की

सीटें 4600 से बढ़कर 13500 से अधिक हो चुकी हैं और पीजी की सीटें दोगुनी हुई हैं। नर्सिंग और पैरामेडिकल शिक्षा का भी विस्तार किया जा रहा है।

### आईएमए के सामाजिक सरोकारों की सराहना की सीएम ने

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने आईएमए के सामाजिक सरोकारों की मुक्तकंठ से सराहना की। कहा कि आईएमए केवल प्रैक्टिस करने वाले चिकित्सकों की संस्था मात्र ही नहीं है। इसने गोरखपुर में निशुल्क ओपीडी के बाद चैरिटेबल ब्लड सेंटर शुरू करके उसने सामाजिक उत्तरदायित्व का उदाहरण प्रस्तुत किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी संस्था की वास्तविक पहचान इससे होती है कि वह अपनी विशेषज्ञता का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति तक पहुंचाने में कितना योगदान देती है। उन्होंने कहा कि 2017-18 में गोरखपुर के सीतापुर आई हॉस्पिटल में आईएमए ने निशुल्क ओपीडी शुरू की थी। इसके बाद आईएमए ने अपने कार्यालय के लिए भूमि मांगी तो गोरखपुर विकास प्राधिकरण के माध्यम से भूखंड उपलब्ध कराने में मदद की गई। आईएमए ने इस भूखंड का बेहतर उपयोग करते हुए चैरिटेबल ब्लड सेंटर स्थापित किया है, जो पूर्वी उत्तर प्रदेश

### बनाया नहीं जा सकता खून, रक्तदान संवेदना का प्रतीक

रक्तदान के महत्व को समझाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, तकनीक, दवाएं और संसाधन तो उपलब्ध कराए जा सकते हैं लेकिन खून बनाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि रक्तदान उस संवेदना का प्रतीक है, जिसके माध्यम से एक व्यक्ति किसी जरूरतमंद को नया जीवन देता है। उन्होंने इस बात पर चिंता भी जाहिर की कि रक्त की मांग के अनुरूप आपूर्ति नहीं हो पाती है। सीएम ने कहा कि इसके लिए चिकित्सकों को स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति लोगों को प्रेरित करना चाहिए।

### कभी दुर्दांत माफिया थे जिलों की पहचान, डॉक्टर होते थे उनके शिकार

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि एक समय प्रदेश के प्रत्येक जिले की पहचान किसी न किसी दुर्दांत माफिया से जुड़ गई थी। डॉक्टर उनके शिकार बनते थे। गोरखपुर में डॉक्टरों का अपहरण होता था, उनसे रंगदारी मांगी जाती थी, धमकी भरे फोन आते थे और उनके चेंबर में घुसकर मारपीट की जाती थी। इन घटनाओं के खिलाफ उन्हें चिकित्सकों के साथ सड़कों पर आंदोलन करना पड़ता था। उन्होंने कहा कि आज गोरखपुर के साथ पूरे प्रदेश में चिकित्सक, व्यापारी और नागरिक स्वयं को सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। अब प्रदेश की पहचान माफिया से नहीं बल्कि ह्यवन डिस्ट्रिक्ट, वन मेडिकल कॉलेजह्न के लक्ष्य से बन रही है।

### पेशेवर रक्तदाताओं पर प्रभावी अंकुश जरूरी

सीएम योगी ने पेशेवर रक्तदाताओं को लेकर भी आगाह किया। कहा कि विभिन्न बीमारियों से ग्रसित पेशेवर रक्तदाताओं पर प्रभावी अंकुश नहीं लगाया गया तो संक्रमण का गंभीर संकट पैदा हो सकता है। ऐसी गतिविधियों को शासन-प्रशासन के संज्ञान में लाने के साथ चिकित्सकों को जागरूकता कार्यक्रमों से भी जुड़ना चाहिए।

### के जरूरतमंद मरीजों को रक्त उपलब्ध कराने में योगदान देगा।

### गुरु गोरखनाथ चिकित्सालय का उल्लेख कर चैरिटी का मॉडल बताया

मुख्यमंत्री ने अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज के सानिध्य में गुरु गोरखनाथ चिकित्सालय की शुरूआत का जिक्र करते हुए कहा कि पहले 10 बेड से अस्पताल शुरू करने की चर्चा हुई थी, लेकिन गोरखपुर के चिकित्सकों के सहयोग से शुरूआत में ही इसे 100 बेड का अस्पताल बनाया गया। इस चिकित्सालय ने दिखाया कि चैरिटी में भी अस्पताल, ब्लड बैंक और आईसीयू सफलतापूर्वक संचालित हो सकते हैं। यहां ब्लड सेपरेटर, एफेरेसिस और डायलिसिस जैसी सुविधाएं विकसित हुईं। उन्होंने कहा कि जिस डायलिसिस के लिए कभी लोगों को लखनऊ या बीएचयू जाना पड़ता था, आज गोरखपुर में गुणवत्तापूर्ण सुविधा उपलब्ध है। सीएम ने बताया कि सरकार ने प्रदेश के जिला अस्पतालों में भी निशुल्क डायलिसिस की व्यवस्था करने का कार्य प्रारंभ कर दिया है।

# काली पट्टी बांधे कानून, आंख मूंद बैठा प्रशासन: एसीपी साहब को डायरी में भी नहीं दिखी 10 साल की सजा वाली धारा!

## खाकी की 'अज्ञानता' या खाकी का 'संरक्षण'? बीएनएस के पन्नों पर भारी पड़ी अफसरों की लापरवाही, 10 साल और आजीवन कारावास के अपराध में आरोपी को थमा रहे रिहाई का अभयदान

**ललित शर्मा**

**गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)।** भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) को देश में पारदर्शी, त्वरित और सख्त न्याय प्रणाली लागू करने के दावे के साथ लाया गया था। परंतु धरातल पर खाकी वर्दी के नुमाइंदे इस नए कानून को न्याय का जरिया बनाने के बजाय अपनी घोर लापरवाही और अक्षमता को छिपाने की ढाल बना रहे हैं। राजधानी के न्याय तंत्र को शर्मसार कर देने वाला एक ऐसा ही सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक सहायक पुलिस आयुक्त (ACP) स्तर के जिम्मेदार अधिकारी ने पीड़ित द्वारा साक्ष्यों और कानून की किताबों के साथ गुहार लगाने के बावजूद आरोपी को गिरफ्तार करने से साफ इनकार कर दिया। तर्क इतना हास्यास्पद और खतरनाक था कि सुनकर न्याय प्रणाली पर विश्वास करने वाला कोई भी नागरिक सिहर उठे। अधिकारी महोदय ने दर्ज धाराओं को अपनी आंखों से देखने और कानून की डायरी पलटने के बाद भी निर्लज्जता से ऐलान कर दिया। इनमें से कोई भी धारा 7 साल से अधिक सजा वाली नहीं है, इसलिए आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकती! यह महज एक अधिकारी की व्यक्तिगत भूल नहीं है, बल्कि यह उस प्रशासनिक तंत्र की पोल खोलता है जो बिना पढ़े, बिना समझे और बिना गंभीर विवेचना किए आम जनता के न्याय के अधिकार का गला घोंट रहा है।

- कानूनी अंधियारा: BNS 338 की किताब सामने खुली होने के बावजूद ACP ने बताई 7 साल से कम सजा।
- संवेदनहीनता का चरम: धोखाधड़ी, कूटरचना और गंभीर आपराधिक साजिश के मामले में आरोपी को दी गई खुली छूट।
- प्रशासनिक जवाबदेही शून्य: जब जिला स्तर के राजपत्रित अधिकारी ही नहीं समझ पा रहे कानून, तो फरियादी कहां जाएं?
- कानून की किताब खुली रही, पर न्याय की आंखें बंद रहीं

| धारा (BNS) | पुरानी IPC धारा | अपराध की प्रकृति | कानून में अधिकतम प्रावधान | ACP साहब की 'अज्ञानता' |
|---|---|---|---|---|
| BNS 338 | IPC 467 | मूल्यवान प्रतिभूति/वसीयत की कूटरचना | 10 वर्ष से लेकर आजीवन कारावास | '7 साल से कम सजा है!' |
| BNS 318(4) | IPC 420 | धोखाधड़ी और संपत्ति का गबन | 7 वर्ष तक कारावास | अनदेखी की गई |
| BNS 61(2) | IPC 120B | आपराधिक षड्यंत्र | मूल अपराध के अनुसार दंड | पूरी तरह दरकिनार |

### जनता का सवाल: अगर फरियादी ही कानून सिखाए, तो महकमे की क्या जरूरत?

आज आम नागरिक थानों और पुलिस अधिकारियों के कार्यालयों के चक्कर काट-काटकर दम तोड़ रहा है। जब फरियादी साक्ष्य जुटाकर लाता है, कानून की धाराएं खोजकर लाता है, तब भी यदि अधिकारी अपनी आंखें बंद करके बैठ जाएं, तो इस तंत्र पर से जनता का विश्वास उठना स्वाभाविक है। किसी भी आपराधिक मामले में अभियुक्त की गिरफ्तारी केवल एक औपचारिकता नहीं होती, बल्कि वह साक्ष्यों को नष्ट होने से बचाने, पीड़ितों को सुरक्षा देने और समाज में न्याय का डर कायम करने की प्रक्रिया का हिस्सा होती है। जब आप 10 साल की सजा वाले गंभीर आरोपी को '7 साल का बहाना' बनाकर खुला छोड़ देते हैं, तो आप सीधे तौर पर पीड़ित को खतरे में डालते हैं और आरोपी को साक्ष्य मिटाने का खुला मौका देते हैं।

### BNS 338 की हकीकत: धोखाधड़ी नहीं, संगीन अपराध है यह!

मामले में पीड़ित पक्ष द्वारा जब थाने से लेकर उच्च अधिकारियों तक के चक्कर काटे गए, तब जाकर जिन धाराओं में मामला पंजीकृत किया गया, उनमें भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 318(4), 338, 336(3), 340(2), 61(2), 352 और 351(3) शामिल थीं। कानून की समझ रखने वाला एक अदना सा वकील भी जानता है कि BNS 338 (जो पुरानी IPC की धारा 467 का परिवर्तित रूप है) अत्यंत संगीन और गैर-जमानती अपराध है। इसमें कानून में स्पष्ट प्रावधान है कि दोषी को 10 वर्ष का कठोर कारावास या आजीवन कारावास तक दिया जा सकता है। सवाल यह उठता है कि जिस धारा में कानून निर्माता ने आजीवन कारावास जैसी सख्त सजा का प्रावधान रखा हो, उसे एक जिम्मेदार ACP स्तर का अधिकारी '7 साल से कम' का मामूली मामला बताकर खारिज कैसे कर सकता है? क्या यह प्रशासनिक नासमझी है या फिर आरोपी को गिरफ्तारी से बचाने के लिए रचा गया कोई सोचा-समझा घालमेल?

### अर्नेश कुमार जजमेंट की आड़ में अपराधियों को अभयदान

सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक 'अर्नेश कुमार बनाम बिहार राज्य' मामले के दिशानिर्देशों का हवाला देकर अक्सर पुलिस उन मामलों में गिरफ्तारी से बचती है जिनमें सजा 7 साल या उससे कम है। लेकिन इस मामले में जिस तरह से अर्नेश कुमार जजमेंट के नाम पर कानून की धज्जियां उड़ाई गईं, वह प्रशासनिक असंवेदनशीलता की पराकाष्ठा है। जब मुकदमे में बीएनएस 338 जैसी गंभीर धारा लगी हुई है, जिसका सीधा संबंध 10 साल या आजीवन कारावास से है, तो 7 साल वाले नियम का बहाना बनाना सीधे-सीधे कानून की व्याख्या को तोड़ना-मरोड़ना है। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि उन्होंने अधिकारी के सामने बाकायदा इठर की प्रामाणिक पुस्तक रखकर संबंधित धारा की पंक्तियां पढ़कर सुनाईं। इसके बावजूद अधिकारी ने किताब को एक तरफ सरकाते हुए अपनी बात पर अड़े रहने का रवैया अपनाया। यह स्थिति केवल एक फरियादी के साथ हुआ अन्याय नहीं है, बल्कि यह इस बात का सबूत है कि किस तरह पुलिस प्रशासन अपनी सुस्ती और संभावित भ्रष्ट साठगांठ को छिपाने के लिए अदालती आदेशों और कानूनों का गलत इस्तेमाल कर रहा है।

- फरियादी द्वारा FIR और धाराओं का विवरण प्रस्तुत करना
- अधिकारी द्वारा इठर की डायरी देखने के बावजूद गलत व्याख्या
- 10 साल/आजीवन कारावास (बीएनएस 338) को '7 साल से कम' घोषित करना
- आरोपी को बिना कार्रवाई छोड़ना
- न्याय प्रक्रिया का पूर्ण ठप होना

### प्रशिक्षण का ढोंग या जवाबदेही से भागने की साजिश?

1 जुलाई 2024 से देशभर में लागू हुए नए आपराधिक कानूनों (BNS, BNSS, और BSA) को लेकर गृह मंत्रालय और राज्य पुलिस मुख्यालयों ने करोड़ों रुपये पानी की तरह बहाकर अधिकारियों के लिए 'विशेष प्रशिक्षण सत्र' आयोजित करने का दावा किया था। हाईटेक थानों, डिजिटल डायरियों और विशेष वर्कशॉप्स के ढोल पीटे गए थे। लेकिन इस घटना ने पुलिस महकमे के तमाम दावों की कलई खोलकर रख दी है।

यदि प्रशिक्षण मिला, तो धारा याद क्यों नहीं? IPC की 420, 467, 468, 471 जैसी धाराओं को उंगलियों पर रटने का दावा करने वाली पुलिस नए कानून में आकर इतनी लाचार क्यों हो गई? डायरी खोलने के बाद भी अंधापन क्यों? चलिए माना कि नई धाराओं के नंबर याद नहीं रहते, लेकिन जब पीड़ित खुद सामने बैठकर कानून की किताब खोलकर धारा दिखा रहा है, तब भी उस धारा के टेक्स्ट को गलत पढ़ना किस श्रेणी का अपराध है? अगर एक राजपत्रित अधिकारी (Gazetted Officer) को 10 साल की सजा वाली धारा 7 साल से कम दिखती है, तो फिर निचले स्तर के दरोगाओं और सिपाही स्तर के विवेचकों से न्याय की क्या उम्मीद की जा सकती है?

### उठते गंभीर सवाल: मौन साधे क्यों बैठा है शीर्ष नेतृत्व?

इस पूरे प्रकरण ने पुलिस महकमे की साख पर गहरा बट्टा लगाया है। यह मामला महज एक तकनीकी चूक नहीं, बल्कि कर्तव्य के प्रति घोर लापरवाही और आपराधिक गैर-जिम्मेदारी का है। समाज और न्यायप्रिय जनता आज पुलिस प्रशासन के शीर्ष आकाओं से सीधे सवाल पूछ रही है: जिम्मेदारी किसकी? डायरी में 10 साल और आजीवन कारावास का स्पष्ट प्रावधान देखने के बावजूद उसे 7 साल से कम बताने वाले अउढ स्तर के अधिकारी पर क्या कार्रवाई होगी? ज्ञान का अभाव या मंशा की खराबी? क्या अधिकारी को वाकई BNS 338 की सजा का ज्ञान नहीं था, या फिर आरोपी को फायदा पहुंचाने के लिए जानबूझकर अंधा बनने का नाटक किया गया? पीड़ित की सुरक्षा का क्या? गंभीर धाराओं के आरोपी को इस तरह खुलेआम छूट दिए जाने से पीड़ित परिवार पर जो खतरा मंडरा रहा है, उसकी जिम्मेदारी कौन सा पुलिस आयुक्त लेगा? ट्रेनिंग के नाम पर खर्च हुए बजट का हिसाब कौन देगा? जब अधिकारियों को गंभीर और मामूली धाराओं का फर्क तक समझ नहीं आ रहा, तो फिर इठर ट्रेनिंग के नाम पर सरकारी खजाने से बहाए गए करोड़ों रुपये का क्या औचित्य है? अगर ऐसे मामलों में दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त प्रशासनिक और अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं की गई, तो नई भारतीय न्याय संहिता आम जनता के लिए न्याय का साधन बनने के बजाय, भ्रष्ट और निकम्मे अधिकारियों के हाथों की कठपुतली बनकर रह जाएगी!

## संपादक की कलम

# भ्रष्टाचार की शपथ से भ्रष्टाचार-मुक्त भारत तक पसरी चुनौतियां

ललित शर्मा
संपादक

भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में सबसे खतरनाक क्षण वह नहीं होता जब कोई व्यक्ति चोरी करता है, बल्कि वह होता है जब समाज चोरी को सामान्य मानने लगता है। जब रिश्वत को ह्यसुविधा शुल्कह्न, कमीशन को ह्यव्यवस्थाह्न, राजनीतिक पहुंच को ह्यसिफारिशह्न और नियम तोड़ने को ह्यकाम निकालने की कलाह्न कहा जाने लगे, तब भ्रष्टाचार केवल कानून की समस्या नहीं रहता, वह सामाजिक संस्कार का संकट बन जाता है। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर से सामने आया कथित वीडियो इसी भयावह मानसिकता का प्रतीक बनकर हमारे सामने आया है। वीडियो में कुछ लोग नगर निगम की आय को आपस में बांटने की शपथ लेते दिखाई दिए। प्रशासन ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं और वीडियो की परिस्थितियों व प्रामाणिकता की जांच की जा रही है। इसलिए अंतिम निष्कर्ष जांच के बाद ही निकाला जाना चाहिए। लेकिन इस घटना का महत्व केवल इतना नहीं है कि उसमें कौन दिखाई दे रहा है और उन्होंने क्या कहा। असली प्रश्न यह है कि क्या भ्रष्टाचार अब इतना निर्भीक हो गया है कि उसे छिपाने के बजाय उसके बंटवारे की भी शपथ ली जा सकती है? अगर किसी सार्वजनिक संस्था से जुड़े लोग सार्वजनिक धन को निजी हिस्सेदारी की तरह देखने लगें तो यह लोकतंत्र के लिए अत्यंत गंभीर चेतावनी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में भ्रष्टाचार के संदर्भ में ह्यन खाऊंगा, न खाने दूंगाह्न का संकल्प सार्वजनिक रूप से व्यक्त किया था। उसके बाद भ्रष्टाचार के विरुद्ध अनेक संस्थागत और डिजिटल उपायों पर जोर दिया गया। केंद्र सरकार ने भी ह्यजीरो टॉलरेंसह्न की नीति दोहराई है, लोकपाल को भ्रष्टाचार संबंधी शिकायतों पर कार्रवाई के लिए वैधानिक भूमिका प्राप्त है और केंद्रीय सतर्कता आयोग की भूमिका निगरानी तथा निवारक सतर्कता में महत्वपूर्ण है। फिर भी प्रश्न बचा हुआ है–क्या कानून और तकनीक भ्रष्टाचार को खत्म कर सकते हैं, यदि भ्रष्टाचार की सामाजिक स्वीकार्यता बनी रहे? भ्रष्टाचार का नुकसान केवल सरकारी खजाने को नहीं होता। उसका सबसे बड़ा शिकार वह सामान्य नागरिक होता है जो लाइन में खड़ा है, टैक्स देता है, नियमों का पालन करता है और बदले में अपनी ही व्यवस्था से न्याय चाहता है। जिस सड़क का निर्माण होना था, वह घटिया बनती है तो नागरिक उसका मूल्य चुकाता है। जिस अस्पताल में दवा उपलब्ध होनी चाहिए, वहां कमी होती है तो गरीब मरीज कीमत चुकाता है। जिस सरकारी कार्यालय में काम समय पर होना चाहिए, वहां रिश्वत मांगी जाती है तो ईमानदार नागरिक की गरिमा पर चोट होती है। ट्रांसप्रेंसी इंटरनेशनल के 2025 करप्शन परशेप्सस इंडेक्स में भारत को 39/100 अंक और 182 देशों में 91वां स्थान मिला। इसी संस्था के उपलब्ध ग्लोबल करप्शन बैरोमीटर आंकड़ों में 39 प्रतिशत सार्वजनिक सेवा उपयोगकताओं ने पिछले 12 महीनों में रिश्वत देने की बात बताई थी, ये आंकड़े 2020 के एशिया सर्वे से संबंधित हैं, इसलिए इन्हें वर्तमान वर्ष की स्थिति का प्रत्यक्ष माप नहीं माना जाना चाहिए। आंकड़े हमें चेताते हैं, लेकिन उससे भी अधिक भयावह वह मानसिकता है जिसमें व्यक्ति भ्रष्टाचार का विरोध तब करता है जब वह स्वयं उसका शिकार बनता है। जब कोई काम पैसे देकर जल्दी हो जाता है, तो वही व्यवस्था हमें सुविधाजनक लगने लगती है। यहीं से भ्रष्टाचार को सामाजिक स्वीकृति मिलती है। भ्रष्टाचार का एक चेहरा आर्थिक है, दूसरा सत्ता–संस्कृति का। राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल व्यक्तिगत सुविधा के लिए होना भी सार्वजनिक नैतिकता को कमजोर करता है। इसका एक दिखाई देने वाला उदाहरण धार्मिक स्थलों पर वीआईपी दर्शन की संस्कृति है।

# मस्जिद ध्वस्तीकरण : नफरत का चरमोत्कर्ष

निर्मल रानी
लेखिका

पिछले कुछ ही वर्षों में देशभर में अवैध अतिक्रमण, सड़क चौड़ीकरण और अदालती आदेशों के नाम पर बुलडोजर कार्रवाइयों के द्वारा अनेक मस्जिदों, मदरसों और मजारों को हटाने की घटनाएं सामने आई हैं। विभिन्न मीडिया रिपोर्ट्स, मानवाधिकार संगठनों और राज्य प्रशासनों द्वारा समय-समय पर जारी की गई कार्रवाई की रिपोर्ट के आधार पर उत्तर प्रदेश में सरकारी जमीनों, तालाबों और सार्वजनिक रास्तों से अतिक्रमण हटाने के नाम पर सबसे व्यापक कार्रवाइयां देखी गई हैं। जैसे कि वाराणसी (दालमंडी) में सड़क चौड़ीकरण और स्टेशन पुनर्विकास के दायरे में आने वाली लगभग 6 से 7 मस्जिदों की पैमाइश कर कार्रवाई की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई। इसी तरह वर्ष 2025-2026 के बीच मुरादाबाद के जामिया अरबिया हयातुल उलूम, सिद्धार्थनगर में खेल के मैदान पर बना 60 साल पुराना मदरसा, आगरा में कथित रूप से तालाब की जमीन पर बनी मजार व मस्जिद और संत कबीर नगर में कथित तौर पर अवैध रूप से बने मदरसों और मजारों पर बुलडोजर चलाया गया। अनुमानतः पिछले कुछ वर्षों में 200 से अधिक मदरसों और दर्जनों मजारों पर अवैध बताकर प्रशासनिक कार्रवाई की जा चुकी है। उत्तराखंड सरकार ने ह्लैंड जिहादह्न और अवैध कब्जों से मुक्त कराने की आड़ में एक विशेष अभियान चलाया हुआ है। जिसके अंतर्गत सरकारी आंकड़ों और मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, राज्य में पिछले दो वर्षों के भीतर 450 से अधिक मजारों और लगभग 288 मस्जिदों व धार्मिक ढांचों को पूरी तरह ध्वस्त या कब्जा मुक्त कराया गया है। इसके साथ ही दर्जनों मदरसों को सील भी किया गया है। देश की राजधानी दिल्ली में भी शहरी विकास, फ़्लाई ओवर निर्माण और फुटपाथों को साफ करने के नाम पर दिल्ली विकास प्राधिकरण और लोक निर्माण विभाग द्वारा कई कार्रवाइयां की गईं। पिछले दो वर्षों में मध्य दिल्ली और दिल्ली-मथुरा रोड, सुनहरी बाग रोड जैसी प्रमुख सड़कों के किनारे बनी कई सदियों पुरानी मजारों, दरगाहों जैसे दरगाह पंच पीरान और कुछ मस्जिदों को हटाया गया। दिल्ली वक़्फ़ बोर्ड और केंद्र सरकार के बीच ऐसी करीब 123 ऐतिहासिक मुस्लिम संपत्तियों को लेकर कानूनी विवाद भी चल रहा है। इसी तरह गुजरात और राजस्थान के

अहमदाबाद, जूनागढ़ और राज्य के कुछ तटीय व ग्रामीण इलाकों में कई मस्जिदों, मजारों और करीब 3 मदरसों को ढहाया जा चुका है।

राजस्थान के सीमावर्ती जिलों और जयपुर जैसे नूरानी मस्जिद में सड़क चौड़ीकरण और सरकारी भूमि पर बने अवैध ढांचों को हटाने के दौरान वक़्फ़ बोर्ड की आपत्तियों के बावजूद कुछ मस्जिदें और मदरसे हटाए गए हैं। महाराष्ट्र, हरियाणा, असम, महाराष्ट्र और हरियाणा में भी ऐसी कार्रवाइयां होती रही हैं। मुंबई के बांद्रा और गोरेगांव इलाके में और हरियाणा के नूंह व गुरुग्राम क्षेत्र में दंगों के बाद या कुछ चुनिंदा धार्मिक ढांचों और उनके आसपास की दुकानों व मदरसों को अवैध बताकर हटाया गया। मानवाधिकार संगठन और जमीयत उलेमा-ए-हिंद जैसे मुस्लिम संगठनों का आरोप है कि हाल के महीनों में देश के विभिन्न राज्यों में 23 से अधिक प्रमुख मस्जिदों और मदरसों को बिना उचित कानूनी प्रक्रिया या बिना पूर्व नोटिस के निशाना बनाया गया है। परन्तु प्रशासन का हमेशा यही रुख रहता है कि ऐसी कार्रवाइयां पूरी तरह से निष्पक्ष हैं और केवल कोर्ट के आदेशों या सरकारी भूमि से 'अवैध अतिक्रमण' हटाने के लिए ही की जाती हैं। अपनी इसी धर्मस्थान ध्वस्तीकरण अभियान के तहत उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित लगभग 100 साल पुरानी मस्जिद को भी गत 5 सितंबर 2026 की प्रातःकाल जिला प्रशासन द्वारा अदालत के आदेश का हवाला देते हुए बुलडोजर से ढहा दिया गया।

परन्तु इस मस्जिद के ध्वस्तीकरण के बाद संभवतः न केवल सत्ता के मंसूबे धरे रह गए बल्कि यह कार्रवाई कानून से लेकर जनता की अदालत तक के स्तर पर सरकार पर भारी पड़ती नजर आ रही है। सब से बड़ी बात तो यह कि अच्छी खासी मुस्लिम आबादी रखने वाले इस जिले के मुसलमानों ने इतनी बड़ी घटना पर कोई उत्तेजना नहीं दिखाई और शांति व सद्भाव का परिचय देते हुये शहर का माहौल ठीक रखने में अपना योगदान दिया। यानी इस मस्जिद विध्वंस के आड़ में शहर को साम्प्रदायिक दंगों की आग में झोंकने की नफरती गैंग की योजना धरी की धरी रह गयी। दूसरी और उससे भी अहम बात यह रही कि कई भाजपा नेता समेत जिले के अनेक जिम्मेदार हिन्दू लोगों ने यहाँ तक कि मानवता प्रिय साधु संतों ने भी इस अवैध प्रशासनिक कार्रवाई का विरोध किया और घटना पर दुःख व रोष जताया। सहारनपुर में आम लोगों का आरोप है कि मस्जिद को ध्वस्त नहीं किया गया है बल्कि ऐसा कर संविधान की धज्जियां उड़ाई गई हैं। संविधान में जो अधिकार दिए गए हैं, उन्हें रौंदा गया है। मस्जिद 1911 से पहले की है, मस्जिद की मलकियत आज भी वहीद खान याकूब खान के नाम है। परन्तु सारी बातें प्रशासन के संज्ञान में लाने के बावजूद सिटी मजिस्ट्रेट ने आदेश दिया और आदेश में केवल 30 दिन का समय दिया गया। अभी 22 दिन और बचे भी थे। परन्तु इसके बावजूद प्रशासन को न जाने ऐसी कौन सी इमरजेंसी थी कि रातों-रात चारो तरफ से मस्जिद को भारी पुलिस बल से घेर कर और कई बुलडोजर एक साथ लगाकर गिरा दिया गया। लोगों का मत है कि यह मस्जिद पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई नहीं की गई है बल्कि देश के संविधान पर हथौड़ा चलाया गया है। लोगों ने इसे सहारनपुर के लोगों के लिए काला दिन बताया।ह्न कई हिन्दू मर्द व औरतें इस मस्जिद के ढहाये जाने पर रोते बिलखते नजर आये जबकि कई हिन्दुओं ने कहा किसी की इबादतगाह ढहाने पर जश्न मनाना हमारा हिन्दू धर्म नहीं सिखाता।

कहना गलत नहीं होगा कि सहारनपुर कलेक्ट्रेट की इस प्राचीन व ऐतिहासिक मस्जिद के मलबे में तब्दील होने के बाद जहाँ एक तरफ मायूसी और आक्रोश की लहर है, वहीं नफरत के इस दौर में आपसी भाईचारे और इंसानियत की एक बेहद खूबसूरत मिसाल सामने आई है। लोग साफ शब्दों में कह रहे हैं कि किसी धार्मिक स्थल के ध्वस्तीकरण पर केवल सत्ता-समर्थित लोग ही खुश हो सकते हैं, लेकिन एक संवेदनशील और समझदार नागरिक ऐसी नाइंसाफी का समर्थन कभी नहीं करेगा। मुस्लिम समाज को ढारस बंधाते हुए कई उदारवादी हिन्दू यह सन्देश देते नजर आये कि –ह्वो आपकी इमारत तोड़ सकते हैं, लेकिन आपका हौसला नहीं तोड़ सकते।ह्न ऐसे सन्देश यह साबित करते हैं कि तमाम राजनीतिक कड़वाहटों के बावजूद इस देश की तासीर में मोहब्बत, समझदारी और इंसानियत की जड़ें आज भी बेहद गहरी हैं। हद तो यह कि एक प्रसिद्ध गोदी मीडिया एंकर ने भी इस कार्रवाई पर सवाल उठाए कि अगर मस्जिद अवैध है, तो उसी कलेक्ट्रेट परिसर में बना मंदिर वैध कैसे हो गया?

# मनी लॉन्ड्रिंग: अपराध की काली कमाई को सफेद करने का खेल

डॉ. सत्यवान सौरभ
लेखक

मनी लॉन्ड्रिंग अर्थात धनशोधन आज केवल आर्थिक अपराध नहीं रह गया है, बल्कि यह संगठित अपराध, भ्रष्टाचार, मादक पदार्थों की तस्करी, आतंकवाद और अवैध व्यापार के लिए एक महत्वपूर्ण वित्तीय आधार बन चुका है। सामान्य शब्दों में कहें तो मनी लॉन्ड्रिंग वह प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से अपराध से अर्जित धन के वास्तविक स्रोत को छिपाकर उसे वैध अथवा कानूनी रूप से अर्जित धन के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। अपराधी जानते हैं कि केवल अवैध तरीके से धन कमाना पर्याप्त नहीं है; उस धन को ऐसी व्यवस्था में शामिल करना भी आवश्यक है, जिससे उसकी वास्तविक उत्पत्ति का पता लगाना कठिन हो जाए। यही कारण है कि आधुनिक वित्तीय व्यवस्था में धनशोधन की चुनौती लगातार जटिल होती जा रही है।

मनी लॉन्ड्रिंग की प्रक्रिया को सामान्यतः तीन प्रमुख चरणों में समझा जाता है–प्लेसमेंट, लेयरिंग और इंटीग्रेशन। पहले चरण में अपराध से प्राप्त धन को वित्तीय व्यवस्था में प्रवेश कराया जाता है। इसे प्लेसमेंट कहा जाता है। उदाहरण के लिए, बड़ी मात्रा में प्राप्त अवैध नकदी को अलग-अलग बैंक खातों में जमा करना, छोटी-छोटी रकम में विभाजित करके लेन-देन करना या नकदी आधारित व्यवसायों के माध्यम से उसे वित्तीय प्रणाली में शामिल करना इसके तरीके हो सकते हैं। अपराधी इस चरण में विशेष रूप से इसलिए सावधानी बरतते हैं क्योंकि यहीं अवैध धन और वित्तीय व्यवस्था के बीच पहला संपर्क स्थापित होता है।

दूसरे चरण को लेयरिंग कहा जाता है। इसका उद्देश्य धन के वास्तविक स्रोत को छिपाना और जांच एजेंसियों के लिए उसके रास्ते को जटिल बनाना होता है। इसके लिए अनेक बैंक खातों, कंपनियों, मध्यस्थ संस्थाओं और वित्तीय लेन-देन का इस्तेमाल किया जा सकता है। धन को एक खाते से दूसरे खाते, एक कंपनी से दूसरी कंपनी अथवा एक देश से दूसरे देश में स्थानांतरित किया जा सकता है। कई बार कागजों पर मौजूद कंपनियों या जटिल व्यावसायिक लेन-देन के माध्यम से धन की ऐसी परतें बनाई जाती हैं कि उसके मूल स्रोत तक पहुंचना कठिन हो जाए। डिजिटल वित्तीय व्यवस्था ने जहां लेन-देन को आसान बनाया है, वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धन के तेज आवागमन ने अपराधियों के लिए नई चुनौतियों और नए अवसरों दोनों को जन्म दिया है।

तीसरा चरण इंटीग्रेशन अर्थात एकीकरण है। इस चरण में धन को इस प्रकार अर्थव्यवस्था में वापस लाया जाता है कि वह वैध आय या निवेश जैसा दिखाई देने लगे। अपराध से अर्जित धन का इस्तेमाल संपत्ति खरीदने, व्यापार में निवेश करने, कंपनियों में पूंजी लगाने या अन्य वैध आर्थिक गतिविधियों में किया जा सकता है। एक बार धन वैध आर्थिक गतिविधियों का हिस्सा बन जाता है तो उसके आपराधिक स्रोत की पहचान करना और भी मुश्किल हो सकता है। इस प्रकार अपराध से अर्जित धन धीरे-धीरे वैध अर्थव्यवस्था में घुलने लगता है।

मनी लॉन्ड्रिंग की सबसे बड़ी चिंता यह है कि यह अपराध और अर्थव्यवस्था के बीच एक खतरनाक पुल का काम करता है। यदि अपराध से प्राप्त धन को आसानी से वैध बनाया जा सके तो अपराधियों को अपनी गतिविधियां जारी रखने के लिए प्रोत्साहन मिलता है। भ्रष्टाचार से अर्जित धन, मादक पदार्थों की तस्करी से प्राप्त आय, अवैध खनन, धोखाधड़ी, तस्करी और संगठित अपराध से जुड़ी कमाई को धनशोधन के माध्यम से छिपाया जा सकता है। इसके कारण अपराध की आर्थिक नींव मजबूत होती है और कानून का शासन कमजोर पड़ता है।

धनशोधन वित्तीय संस्थाओं की विश्वसनीयता को भी प्रभावित करता है। बैंक और अन्य वित्तीय संस्थाएं यदि अवैध धन के प्रवाह को पहचानने और रोकने में असफल रहती हैं तो पूरी वित्तीय व्यवस्था की पारदर्शिता पर प्रश्न खड़े होते हैं। इसके अलावा, बड़े पैमाने पर अवैध धन का प्रवाह बाजार में प्रतिस्पर्धा को विकृत कर सकता है। ईमानदारी से कारोबार करने वाले व्यक्ति और संस्थाएं उन लोगों से पिछड़ सकते हैं, जिनके पास अपराध से अर्जित पूंजी उपलब्ध है। इस तरह धनशोधन केवल कानून-व्यवस्था की समस्या नहीं, बल्कि आर्थिक न्याय और वित्तीय स्थिरता का भी प्रश्न है।

भारत ने धनशोधन से निपटने के लिए एक व्यापक कानूनी और संस्थागत ढांचा विकसित किया है। धनशोधन निवारण अधिनियम, 2002 इसका प्रमुख कानूनी आधार है। इस कानून का उद्देश्य अपराध से अर्जित आय की पहचान, जांच, कुर्की और परिस्थितियों के अनुसार जब्ती की प्रक्रिया को सक्षम बनाना है। यह कानून उन गतिविधियों पर कार्रवाई का आधार प्रदान करता है, जिनके माध्यम से अपराध से प्राप्त संपत्ति को छिपाने, रखने, उपयोग करने या उसे वैध दिखाने का प्रयास किया जाता है।

इस कानून के क्रियान्वयन में प्रवर्तन निदेशालय की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रवर्तन निदेशालय धनशोधन से जुड़े मामलों की जांच करता है तथा अपराध से अर्जित संपत्ति का पता लगाने और उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया आगे बढ़ाता है। दूसरी ओर, वित्तीय खुफिया इकाईझ्झभारत संदिग्ध वित्तीय लेन-देन से संबंधित सूचनाओं का विश्लेषण करती है। वित्तीय संस्थाओं से प्राप्त सूचनाओं के विश्लेषण के माध्यम से संदिग्ध गतिविधियों की पहचान करना धनशोधन विरोधी व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

वित्तीय संस्थाओं के लिए अपने ग्राहक को जानो अर्थात केवाईसी व्यवस्था भी इस लड़ाई का महत्वपूर्ण उपकरण है। ग्राहक की पहचान और वित्तीय गतिविधियों की निगरानी से संदिग्ध खातों तथा असामान्य लेन-देन की पहचान में मदद मिलती है। संदिग्ध लेन-देन की रिपोर्टिंग संबंधी दायित्व भी वित्तीय प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ाते हैं। हालांकि केवल नियम बना देना पर्याप्त नहीं है। वास्तविक चुनौती यह सुनिश्चित करना है कि इन नियमों का पालन प्रभावी, समान और तकनीकी रूप से सक्षम तरीके से हो।

धनशोधन की प्रकृति सीमा-पार होने के कारण अंतरराष्ट्रीय सहयोग भी अत्यंत आवश्यक है। अपराधी एक देश में धन अर्जित करके दूसरे देश में उसे स्थानांतरित कर सकते हैं और तीसरे देश में निवेश कर सकते हैं। इसलिए भारत को अन्य देशों, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं और संबंधित जांच एजेंसियों के साथ सूचना साझा करने, संदिग्ध लेन-देन का पता लगाने और अवैध संपत्तियों की पहचान करने में सहयोग बढ़ाना होगा। वैश्विक स्तर पर धनशोधन के विरुद्ध सहयोग जितना मजबूत होगा, अपराधियों के लिए वित्तीय व्यवस्था का दुरुपयोग करना उतना ही कठिन होगा।

फिर भी चुनौती समाप्त नहीं हुई है। डिजिटल भुगतान, आभासी संपत्तियां, जटिल कॉरपोरेट संरचनाएं और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय लेन-देन ने धनशोधन के तौर-तरीकों को लगातार बदल दिया है। इसलिए भारत को तकनीक आधारित वित्तीय निगरानी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डेटा विश्लेषण जैसी आधुनिक क्षमताओं का जिम्मेदारी से उपयोग बढ़ाना होगा।

## गणपति राखो मेरी लाज

मोनिका डागा
कविता

सुदी चौथ भादव को प्रगटे, श्री गजानन जी महाराज,
वरद विनायक मंगलकारी, गणपति राखो मेरी लाज ।

चरण कमल में शीश नवाऊं, प्रथम देव तुमको मनाऊँ,
नित्य प्रेम से कीर्तन गाऊं, भाव सुमन तुम्हें नित चढ़ाऊं,
रिद्धि-सिद्धि के हो तुम स्वामी, सफल करो सब मेरे काज,
वरद विनायक मंगलकारी, गणपति राखो मेरी लाज ।

रक्त पुष्प सिंदूर चढाऊँ, चंदन केशरिया लगाऊँ,
कानों में कुण्डल पहनाऊँ, बूँदियाँ का भोग बनाऊँ,
भक्तों की सेवा स्वीकारों, कृपा करो अब हे गणराज !
वरद विनायक मंगलकारी, गणपति राखो मेरी लाज ।

भक्त मंडली सदन बुलाऊँ, उत्सव शुचिता से मनाऊँ,
स्तुति जप मंत्रोच्चार कराऊँ, सुबह-शाम आरती गाऊँ,
हर कर जीवन से विघ्नों को, ह्आनंदह्न भरो हे शिवराज !
वरद विनायक मंगलकारी, गणपति राखो मेरी लाज ।

भक्त प्रेम से अर्जी लाएं, मंगलमूर्ति तुम्हें बुलाएं,
शुद्ध भाव से तुमको रिझाएं, विपदाओं से मुक्ति पाएं,
प्रेम प्रार्थना भक्तजनों की, अब तो सुन लो हे गजराज !
वरद विनायक मंगलकारी, गणपति राखो मेरी लाज ।

# कचरे से कमाई तक: चक्रीय अर्थव्यवस्था का वैश्विक बिगुल, प्लास्टिक और ई-कचरे से नई समृद्धि की राह

किशन भावनानीं
लेखक

वैश्विक स्तरपर आज दुनियाँ के सामने आर्थिक विकास के साथ-साथ प्राकृतिक संसाधनों की कमी, बढ़ता कचरा, जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और कच्चे माल की बढ़ती मांग जैसी अनेक चुनौतियां खड़ी हैं। ऐसे समय में वैश्विक अर्थव्यवस्था को केवल उत्पादन-उपभोग- फेंकनें की रैखिक व्यवस्था से निकालकर ऐसी व्यवस्था की ओर ले जाने की आवश्यकता महसूस की जा रही है जिसमें वस्तुओं और सामग्रियों का जीवन अधिकतम समय तक बढ़ाया जाए। इसी सोच का नाम चक्रीय अर्थव्यवस्था यानी सर्कुलर इकोनॉमी है।इसका मूल मंत्र है,क्षतिग्रस्त वस्तु को बदलने से पहले उसकी मरम्मत करें,फेंकने से पहले उसका पुनःउपयोग करें और अपशिष्ट को नष्ट करने से पहले उसमें से उपयोगी सामग्री वापस प्राप्त करें।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहूंगा कि भारत में यह विचार कोई पूरी तरह नया पश्चिमी आर्थिक सिद्धांत नहीं है; मरम्मत, पुनःउपयोग,पुनर्चक्रण,पुराने कपड़ों का दोबारा इस्तेमाल,कबाड़ से उपयोगी वस्तुएं बनाना और संसाधनों को व्यर्थ न जाने देना भारतीय सामाजिक व्यवहार में आदि अनादि काल से मुझे खुद अपने बुजुर्गों की पीढ़ी से लंबे समय से दिखाई देता रहा है।इसी वैश्विक सोच को नई तकनीक, वित्त और नीतिगत ढांचे से जोड़ने के लिए भारत पहली बार दक्षिण एशिया में वर्ल्ड सर्कुलर इकोनॉमी फोरम (डब्लूसीईएफ) 2026 की मेजबानी कर रहा है। गुजरात के गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में 15 से18 सितंबर 2026 से डब्लूसीईएफ 2026 का आयोजन शुरू है।यह दक्षिण एशिया में इस वैश्विक मंच का पहला आयोजन है।इस वर्ष का विषय है,सर्कुलर

इकोनॉमीः ट्रांसिशन फॉर पीपल एंड प्रोस्पेरिटी यानें जनता और समृद्धि के लिए चक्रीय अर्थव्यवस्था की ओर परिवर्तन।भारत सरकार के अनुसार 65 से अधिक देशों के 2,000 से अधिक हितधारक इसमें भाग ले रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी में 125 से अधिक प्रदर्शक चक्रीय समाधान प्रस्तुत कर रहे हैं। मंच का वास्तविक उद्देश्य केवल सम्मेलन करना नहीं,बल्कि सहयोग की नई अर्थव्यवस्था बनाना है। डब्लूसीईएफ 2026 का प्रमुख लक्ष्य भारत की चक्रीय अर्थव्यवस्था संबंधी पहलों को वैश्विक मंच पर सामने लाना, ग्लोबल साउथ के देशों के बीच सहयोग बढ़ाना,चक्रीय वित्त को गति देना, निजी क्षेत्र के निवेश को आकर्षित करना, नीतिगत संवाद को मजबूत करना तथा डिजिटल तकनीक और नवाचार को बढ़ावा देना है। आयोजन में एआई, ऊर्जा, रोजगार,वित्त, शासन,टिकाऊ उत्पाद, औद्योगिक समाधान स्टार्टअप और युवा नेतृत्व जैसे क्षेत्रों पर भी चर्चा हो रही है।

साथियों बात अगर हम चक्रीय अर्थव्यवस्था आखिर है क्या? इसको समझने की करें तो सरल भाषा में कहा जाए तो चक्रीय अर्थव्यवस्था वह आर्थिक मॉडल है जिसमें किसी उत्पाद या सामग्री को इस्तेमाल के बाद कचरा मानकर समाप्त करने के बजाय उसकी उपयोगिता को यथासंभव लंबे समय तक बनाए रखा जाता है। इसमें रिडयूज,रीयूज ,रिपेयर, रिफंरबिश, रेमैन्युफैक्चर,रेपरपोज और रिसाइकिल जैसे सिद्धांत महत्वपूर्ण हैं।यानेंमोबाइल फोन खराब हो जाए तो नया खरीदना ही एकमात्र रास्ता नहीं;मरम्मत और पुर्जों का पुनः उपयोग भी विकल्प है। वाहन के पुराने पुर्जों को फिर से इस्तेमाल किया जा सकता है। निर्माण क्षेत्र में पुराने भवनों की सामग्री को पुनःउपयोग किया जा सकता है।कपड़ा उद्योग में पुराने वस्त्रों से नए उत्पाद बनाए जा सकते हैं। इलेक्ट्रॉनिक कचरे से मूल्यवान धातुएं वापस निकाली जा सकती हैं। खाद्य क्षेत्र में जैविक अपशिष्ट से कम्पोस्ट या बायोगैस बनाई जा सकती है। कृषि में फसल अवशेषों को जलाने के बजाय जैव-ऊर्जा, कम्पोस्ट या अन्य उपयोगी उत्पादों में बदला जा सकता है।इस तरह चक्रीय अर्थव्यवस्था केवल कचरा प्रबंधन नहीं बल्कि पूरी उत्पादन और उपभोग व्यवस्था को पुनः डिजाइन करने की शिक्षा की सटीकता से अवधारणा है। साथियों बात अगर हम भारत के लिए इसका आर्थिक महत्व क्या है? इसको समझने की करें तो सरल भाषा में कहा

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

# बनने के छह महीने बाद ही धंस गई सड़क, कहीं कमीशनखोरी का परिणाम तो नही !

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

**प्रतापगढ़।** जिस सड़क का बाबागंज विधायक विनोद सरोज ने निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया था, वही सड़क करीब छह महीने बाद जगह-जगह धंसने लगी है। सड़क की बदहाल स्थिति को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है। उन्होंने निर्माण गुणवत्ता और सड़क निर्माण में निर्धारित मानकों के पालन पर सवाल उठाते हुए उच्चस्तरीय तकनीकी जांच की मांग की है। हीरागंज-बिहार मार्ग के सराय स्वामी से माघी चैनगढ़, रायगढ़ और महेशगंज बाजार होते हुए झींगुर-हरनाहर मार्ग से भगवान तिराहा, झींगुर तक जाने वाली सड़क पर कई स्थानों पर धंसाव और टूट-फूट दिखाई दे रही है। रायगढ़ सर्विस रोड से घोसियाना के बीच भी सड़क धंसने की शिकायत सामने आई है। ग्रामीणों का आरोप है कि मार्ग पर लगातार दौड़ रहे ओवरलोड ट्रक और डंपर सड़क को नुकसान पहुंचा रहे हैं। उनका सवाल है कि यदि ओवरलोड वाहनों के कारण सड़क क्षतिग्रस्त हो रही है तो संबंधित विभागों की ओर से इनके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है। वहीं, सड़क निर्माण को अभी छह महीने भी पूरे नहीं हुए हैं और कई स्थानों पर धंसाव शुरू होने से निर्माण में इस्तेमाल सामग्री, सड़क की मोटाई, निर्धारित मानकों तथा तकनीकी निगरानी को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों ने मांग की है कि सड़क की स्वतंत्र तकनीकी जांच कराकर गुणवत्ता की रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए। साथ ही निर्माण कार्य में किसी तरह की लापरवाही या मानकों की अनदेखी सामने आने पर जिम्मेदार एजेंसी और संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए। ओवरलोड वाहनों के खिलाफ भी प्रभावी अभियान चलाने की मांग की गई है। ग्रामीणों का कहना है कि महज सड़क की मरम्मत करा देना स्थायी समाधान नहीं होगा। पहले यह स्पष्ट होना चाहिए कि सड़क छह महीने में ही क्यों धंसी–निर्माण गुणवत्ता की कमी से या ओवरलोड वाहनों के दबाव से। निष्पक्ष तकनीकी जांच से ही वास्तविक कारण सामने आ सकता है।

ग्रामीणों ने उम्मीद जताई है कि बाबागंज विधायक विनोद सरोज मामले का संज्ञान लेकर संबंधित विभाग से सड़क की तकनीकी जांच कराएंगे और दोष सामने आने पर जिम्मेदारी तय कराएंगे। छह महीने में सड़क धंसने की तकनीकी जांच कराई जाए। निर्माण की गुणवत्ता रिपोर्ट सार्वजनिक हो और यदि मानकों की अनदेखी मिली तो जिम्मेदारों पर कार्रवाई हो। साथ ही ओवरलोड वाहनों पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। छह महीने में सड़क धंसना सामान्य बात नहीं है। निष्पक्ष तकनीकी जांच से ही पता चलेगा कि समस्या निर्माण गुणवत्ता की है या ओवरलोड वाहनों

# राजा भैया जनसंवाद कार्यक्रम बिहार ब्लॉक के उमरापट्टी मे हुआ सम्पन्न

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

**प्रतापगढ़।** जनता से सीधा संवाद, समस्याओं का समाधान और जनसेवा का संकल्प कार्यक्रम बाबागंज विधानसभा की बिहार ब्लॉक की ग्राम पंचायत उमरापट्टी के राजस्व गांव पूरेखांडे मे जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। बैठक मे जनसत्तादल लोकतांत्रिक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मा राजा भईया जी के नेतृत्व मे क्षेत्र मे किए जा रहे जनसम्पर्क अभियान एवं सर्वसमाज को एक साथ लेकर चलने का उल्लेख किया गया। कार्यक्रम मे मुख्य रूप से कार्यक्रम में जनसत्ता दल पार्टी के बिहार ब्लाक अध्यक्ष प्रदीप शुक्ला एवं बिहार ब्लॉक प्रधान संघ अध्यक्ष बीरेंद्र तिवारी सुग्गा उपस्थित रहे। जनसत्ता दल ने क्षेत्रवासियों एवं ग्रामीणों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं, अपेक्षाओं और सुझावों को आत्मीयता के साथ सुना। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि जनता की आवाज को मजबूती से उठाना और जरूरत के समय हरसंभव सहयोग के लिए तत्पर रहना ही जनसेवा का मूल उद्देश्य है। इस अवसर पर क्षेत्रवासियों को 17, 18, 19 एवं 20 नवंबर को राज भवन, बेंती में आयोजित होने वाली भगवान श्रीराम कथा में सपरिवार सम्मिलित होने के लिए सादर आमंत्रित किया गया। जनसंवाद के दौरान क्षेत्र में आपसी भाईचारे, विकास और जनहित से जुड़े विषयों पर भी सार्थक चर्चा हुई।कार्यक्रम में सम्मानित वरिष्ठजन एवं क्षेत्रीय युवा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# थाना बाबूगढ़ पहुंचे टियाला के छात्र, पुलिस व्यवस्था और आपातकालीन सेवाओं की ली जानकारी

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

**हापुड़।** ग्राम टियाला स्थित फलाह-ए-आम जूनियर हाई स्कूल के विद्यार्थियों ने बुधवार को थाना बाबूगढ़ का शैक्षिक भ्रमण किया। इस दौरान थाना पुलिस द्वारा छात्रों को पुलिस की कार्यप्रणाली, यातायात सुरक्षा तथा आपातकालीन सेवाओं के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।सब इंस्पेक्टर विवेक ने विद्यार्थियों को यातायात नियमों का पालन करने तथा सड़क दुर्घटना या किसी अन्य आपात स्थिति में घबराने के बजाय तत्काल 112 नंबर पर सूचना देने के बारे में बताया। उन्होंने विद्यार्थियों को सड़क पर सुरक्षित रहने के उपायों की जानकारी भी दी।वहीं मनीषा ने छात्रों को विभिन्न महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए बताया कि आपातकालीन सहायता के लिए 112, महिला हेल्पलाइन 1098, एंबुलेंस के लिए 102 व 108 तथा अग्निशमन सेवा के लिए 101 नंबर पर संपर्क किया जा सकता है। उन्होंने अन्य आवश्यक सेवाओं के बारे में भी विद्यार्थियों को जागरूक किया।भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को थाना परिसर का निरीक्षण कराया गया। छात्रों ने हवालात, महिला डेस्क और परामर्श कक्ष को भी देखा तथा पुलिसकर्मियों से उनकी कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी प्राप्त की।थाना भ्रमण के बाद विद्यार्थियों ने पुलिस स्टाफ का आभार जताते हुए कहा कि थाने आकर पुलिसकर्मियों से बातचीत करने और उनकी कार्यप्रणाली को करीब से समझने का अनुभव उनके लिए काफी उपयोगी रहा। इस शैक्षिक भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों में पुलिस व्यवस्था, यातायात सुरक्षा और आपातकालीन सेवाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

# हिंदू कॉलेज मुरादाबाद द्वारा 'क्लाइमेट चेंज, ओजोन लेयर प्रोटेक्शन और एनवायरनमेंट सस्टेनेबिलिटी' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

वेलकम इंडिया/नितिन शर्मा

**मुरादाबाद।** हिंदू कॉलेज, मुरादाबाद द्वारा 'क्लाइमेट चेंज, ओजोन लेयर प्रोटेक्शन और एनवायरनमेंट सस्टेनेबिलिटी' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ICCOLES 2026 के आयोजन के मुख्य अतिथि रहे डिप्टी हाउसिंग कमिश्नर आवास विकास परिषद बरेली जोन उत्तर प्रदेश चौहान ने कहा कि हमारी उपभोक्तावादी संस्कृति, अत्यधिक संग्रह प्रवृत्ति और दिखावा कल्चर कर रही। पर्यारण का क्षरण उक्त आयोजन कॉलेज सभागार में सुबह 10 बजे से हाइब्रिड मोड में सफलतापूर्वक किया गया। सम्मेलन में देश-विदेश के प्रतिष्ठित शिक्षाविदों, शोधकताओं एवं विशेषज्ञों ने पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन तथा ओजोन परत के संरक्षण से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मागे राम चौहान उप आवास आयुक्त, आवास एव विकास परिषद ने कार्यक्रम में बोलते हुए कहा कि अतिवाद की प्रवृत्तियों के छोड़ कर प्रकृति से सहअस्तित्व बना कर करें जीवन यापन तभी हम स्वयं को सुरक्षित करते हुए भावी पीढ़ी को सुंदर और स्वस्थ धरा विरासत में दे पाएंगे, प्रकृति से जो ले उसको लौटाए भी आयोजन मुख्य संरक्षक राजीव कोठीवाल, कुलाधिपति, आई एफ टी एम विश्वविद्यालय, संरक्षक अमित कोठीवाल, प्रबंधक, हिंदू कॉलेज के मार्गदर्शन में किया गया। प्रो. एस.एस. रावत, प्राचार्य, हिंदू कॉलेज ने कार्यक्रम में संरक्षक की भूमिका निभाई।

सम्मेलन में डॉ. मनोहर लाल रसायन विज्ञान विभाग, जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय विशिष्ट अतिथि तथा डॉ. विकास गुप्ता, प्रोफेसर एवं डीन, विज्ञान संकाय, मदर हुड

यूनिवर्सिटी, रुड़की विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सम्मेलन के अकादमिक सत्रों में अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों ने अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए। इनमें प्रो. राहुल डट्टा, मेंडेल यूनिवर्सिटी, ब्रनो, चेक गणराज्य; प्रो. मून अल-वाफी, न्यूयॉर्क मेडिकल कॉलेज, अमेरिका प्रो. रूपेश गुप्ता, किरोड़ी मल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय तथा प्रो. आर. मिश्रा, रसायन विज्ञान विभाग, आईआईटी बीएचयू, बनारस प्रमुख रहे। इनमें कुछ विशेषज्ञों ने ऑनलाइन माध्यम से प्रतिभागियों को संबोधित किया।

सम्मेलन का प्रमुख आकर्षण शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी रही। एम.एससी. रसायन विज्ञान, एम.एससी. भौतिकी, एम.एससी. गणित तथा एम.ए. भूगोल के विद्यार्थियों और शोधार्थियों ने जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण संरक्षण, ओजोन परत तथा सतत विकास से संबंधित अपने मौलिक शोध-पत्र प्रस्तुत किए। शोध-पत्रों को अढअ शैली में प्रस्तुत किया गया तथा प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशन की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई। सम्मेलन के सफल आयोजन में आयोजन समिति के सदस्यों प्रो. एस.के. शर्मा, प्रो. श्याम सिंह, प्रो. सत्येंद्र कुमार, डॉ. दिलीप कुमार, वीरेश कुमार, आशीष बाजपेयी एवं डॉ. रविकांत दिवाकर का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सम्मेलन की संयोजक प्रो. अलका ने पूरे आयोजन के समन्वय, प्रबंधन एवं विभिन्न गतिविधियों के सुचारु संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके कुशल नेतृत्व, निरंतर सक्रियता और टीम के साथ प्रभावी समन्वय के कारण सम्मेलन की विभिन्न व्यवस्थाएं व्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संचालित हुईं। उनके प्रयासों की आयोजन से जुड़े सदस्यों एवं प्रतिभागियों ने सराहना की। प्रो. अनिल कुमार ने सह-संयोजक के रूप में सम्मेलन के सफल संचालन में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। सम्मेलन के माध्यम से प्रतिभागियों ने पर्यावरणीय चुनौतियों के प्रति जागरूकता बढ़ाने, वैज्ञानिक शोध को प्रोत्साहित करने तथा सतत एवं पर्यावरण-अनुकूल विकास की दिशा में सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

# गणेश चतुर्थी पर एम.डी. इंटरनेशनल स्कूल में गूंजे गणपति बप्पा के जयकारे

वेलकम इंडिया/नितिन शर्मा

**नूरपुर।** एम.डी. इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, रवाना शिकारपुर में गणेश चतुर्थी का पर्व श्रद्धा, उमंग एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंधक देवेंद्र सिंह एवं प्रधानाचार्य टीकम सिंह ने भगवान गणेश की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर एवं पुष्प अर्पित करके किया। इसके पश्चात विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भगवान गणेश की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर पूजा-अर्चना की। विद्यार्थियों ने भी पूरे उत्साह के साथ गणेशोत्सव में भाग लिया और भगवान गणेश से ज्ञान, बुद्धि, सुख एवं समृद्धि की कामना की। इस दौरान विद्यालय परिसर भक्तिमय एवं उल्लासपूर्ण वातावरण से सराबोर रहा। विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं प्रबंधक ने विद्यार्थियों को गणेश चतुर्थी के धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व से अवगत कराया तथा भारतीय संस्कृति और परंपराओं का सम्मान करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विद्यालय का समस्त शिक्षक वर्ग एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। अंत में सभी के सुख, समृद्धि एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

# जेएमएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में मनाया गया अभियंता दिवस

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

**हापुड़।** जेएमएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, हापुड़ में महान भारतीय अभियंता एवं भारत रत्न सर एम. विश्वेश्वरैया की जयंती के उपलक्ष्य में अभियंता दिवस उत्साह एवं उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्र निर्माण, तकनीकी विकास और नवाचार में अभियंताओं के योगदान को सम्मानित करना तथा विद्यार्थियों को इंजीनियरिंग के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रेरित करना रहा।कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि नवनीत अग्रवाल, वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर-क्, लायंस क्लब डिस्ट्रिक्ट 321उ-1 तथा विशिष्ट अतिथि सुशील कुमार मित्तल, लायंस क्लब उपस्थित रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए तकनीकी शिक्षा के साथ नवाचार और रचनात्मक सोच को अपनाने पर जोर दिया।समारोह में प्रो. (डॉ.) सुभाष गौतम, डायरेक्टर जनरल, जेएमएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, इंजीनियर जितेंद्र कुमार, प्रोग्राम हेड-इंजीनियरिंग, शीबा खालिद, डीन-इंजीनियरिंग तथा सुहैल खान, प्रोग्राम हेड-पॉलिटेक्निक सहित इंजीनियरिंग एवं पॉलिटेक्निक विभाग के शिक्षकगण मौजूद रहे।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रस्तुतियों ने समारोह में उत्साह और उमंग का माहौल बना दिया। विद्यार्थियों को नवाचार, रचनात्मकता, तकनीकी उत्कृष्टता और टीमवर्क की भावना के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया।संस्थान के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. आयुष सिंघल एवं सेक्रेटरी डॉ. रोहन सिंघल ने डीन इंजीनियरिंग तथा सभी विभागाध्यक्षों को अभियंता दिवस के सफल आयोजन पर बधाई दी। उन्होंने विद्यार्थियों से तकनीकी ज्ञान और रचनात्मकता का उपयोग समाज एवं राष्ट्र के विकास में करने का आह्वान किया। समारोह के अंत में जेएमएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की ओर से सभी अभियंताओं एवं भावी अभियंताओं को अभियंता दिवस की शुभकामनाएं दी गईं।

# किसान दिवस पर भाकियू अराजनैतिक ने उठाईं समस्याएं

## दाखिल-खारिज, गन्ना भुगतान, केसीसी सीमा और टूटी सड़कों को लेकर उठाई मांग

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

**हापुड़।** किसान दिवस के अवसर पर भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के जिलाध्यक्ष चौ. पवन हूण गुर्जर ने किसानों की विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए उनके समाधान की मांग की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को किसानों की समस्याओं से अवगत कराया। जिलाध्यक्ष ने बताया कि बेनामे की दाखिल-खारिज की सभी प्रक्रियाएं पूरी होने के बावजूद 35 दिन बाद भी दाखिल-खारिज नहीं हो पा रही है। इसी तरह वारिसों के नाम दर्ज कराने में भी किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने इन समस्याओं का शीघ्र निस्तारण कराने की मांग की।उन्होंने कहा कि चीनी मिलों में गन्ना बेचने के बाद किसानों का करीब 1.25 करोड़ रुपये का भुगतान बकाया है। उन्होंने किसानों को यह बकाया धनराशि जल्द दिलाने की मांग की, ताकि उन्हें आर्थिक राहत मिल सके।इसके अलावा गन्ना सोसाइटी में यूरिया-डीएपी की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित कराने, किसानों की जरूरत के अनुसार उर्वरक उपलब्ध कराने तथा गन्ना भुगतान में देरी के कारण किसानों को होने वाली परेशानियों को दूर करने की मांग की गई।भाकियू अराजनैतिक ने किसानों की केसीसी सीमा तीन लाख रुपये से बढ़ाकर पांच लाख रुपये करने तथा तीन प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराने की मांग भी रखी।जिलाध्यक्ष ने गंगा एक्सप्रेसवे निर्माण के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में क्षतिग्रस्त हुए रास्तों को आगामी गन्ना सीजन शुरू होने से पहले यूपीडा के माध्यम से दुरुस्त कराने की मांग की, ताकि किसानों को गन्ना लाने-ले जाने में परेशानी न हो। इस दौरान महेंद्र त्यागी, कटार सिंह, राधेलाल त्यागी, मनोज सिंह सहित अन्य किसान मौजूद रहे।

# गुरु तेग बहादुर पब्लिक स्कूल में बाल कवियों का हिंदी काव्य संकलन विमोचन नन्हा आसमान

वेलकम इंडिया/नितिन शर्मा

**नूरपुर।** गुरु तेग बहादुर पब्लिक स्कूल में हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी साहित्य समारोह का भव्य एवं गरिमापूर्ण आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में हिंदी भाषा, साहित्य एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति के प्रति रुचि एवं सम्मान की भावना विकसित करना रहा। समारोह में डॉ. दीप्ति डिमरी, डीन कॉलेज ऑफ टीचर एजुकेशन विवेक विश्वविद्यालय, बिजनौर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। वहीं डॉ. साधना, प्राचार्या, गुलाब सिंह हिंदू पी.जी. कॉलेज, चांदपुर एवं ललिता वर्मा, समाज सेविका विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। गणेशोत्सव, हिंदी एवं नारी शक्ति से जुड़े सांस्कृतिक कार्यक्रम से बच्चों ने मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में आकर्षक हिंदी प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें हिंदी भाषा की विविधता, साहित्यिक परंपरा एवं सांस्कृतिक समृद्धि को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया गया। इसके साथ ही काव्य विमोचन 'नन्हा आसमान', बाल साहित्यकार सम्मान तथा कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। काव्य संकलन में निर्माण में प्रमुख योगदान गतिविधि प्रभारी अंशुल कुमार का रहा। कवि सम्मेलन में कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से शब्दों की सरगम और भावों का सुंदर संगम प्रस्तुत किया। कवि सम्मेलन के कवि एवं रचनाएँ- शाल्वी यादव (माध्यमिक विद्यालय की सीढ़ी), प्रभसिमरन कौर (जिन्दगी की कोशिश), संस्कार राजपूत (अमर मित्रता का नाता), अवनी यादव (नारी शक्ति), रूद्राक्ष वर्मा (हिन्दी), जसप्रीत कौर (दादी की याद), अलीजा जिलानी (प्यारा बचपन), कनिष्का (बच्चों को सीख), सिमरन (मेहनत), मुकुल चौहान (भौंरा और सुबह), अनु (काश मैं लड़का होती), अपूर्वा चौहान (हाँ हम बड़े हो गए). कार्यक्रम संचालन प्रभसिमरन, जसप्रीत, साल्वी, सिमरन ने किया।

'शब्द सिर्फ भाषा नहीं, संस्कार हैं-' की भावना को केंद्र में रखते हुए विद्यार्थियों ने हिंदी के प्रति अपने प्रेम और रचनात्मक प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। काव्य विमोचन के माध्यम से विद्यार्थियों की रचनात्मक लेखन प्रतिभा को मंच प्रदान किया गया तथा बाल साहित्यकारों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. दीप्ति डिमरी ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए हिंदी भाषा एवं साहित्य के महत्व पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि डॉ. साधना ने भी विद्यार्थियों को हिंदी के अध्ययन और सृजनात्मक लेखन के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के प्रबंधक मनदीप सिंह, प्रधानाचार्य अवनीश कुमार एवं समस्त विद्यालय परिवार ने कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अतिथियों का आभार व्यक्त किया। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को अपनी भाषा, संस्कृति और साहित्य से जोड़ने के साथ-साथ उनकी रचनात्मक प्रतिभा को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

# आर.बी.डी. कॉलेज में हिंदी दिवस समारोह का किया गया भव्य आयोजन

वेलकम इंडिया/नितिन शर्मा

**बिजनौर।** रानी भाग्यवती देवी महिला महाविद्यालय बिजनौर में प्रो. पारुल त्यागी के मार्गदर्शन में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन करके किया गया। हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. शारदा द्विवेदी ने सभी अतिथियों एवं छात्राओं का स्वागत करते हुए हिंदी भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने 14 सितंबर, 1949 के ऐतिहासिक निर्णय पर प्रकाश डाला जब संविधान सभा ने हिंदी को राजभाषा के रूप में अंगीकृत किया था।

प्राचार्या प्रो. पारुल त्यागी ने अपने उद्बोधन में छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि वह प्रतिदिन हिंदी के अनेक शब्दों के अर्थ से परिचित होती हैं और वह स्वयं अंग्रेजी की प्रोफेसर होने के बावजूद हिंदी भाषा को स्वयं द्वारा लिखित साहित्य में भी उपयोग करती हैं। आज वैश्विक स्तर पर हिंदी की स्वीकार्यता बढ़ रही है, ऐसे में युवा पीढ़ी का दायित्व है कि वे हिंदी के शुद्ध, सहज और गरिमामय रूप को अपनाएं।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. अल्पना सिंह ने हिंदी की संवैधानिक स्थिति' पर प्रकाश डालते हुए व्याख्यान में बताया कि भाषा का मानव इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान रहा है। भाषा किसी भी एथनिक ग्रुप को पहचान देती है। उन्होंने हिंदी का स्वतंत्रता संग्राम में महत्व बताया व स्वतंत्रता संग्राम में भाषा केंद्रित समझौते की ओर संकेत भी किया। राजभाषा और राष्ट्रभाषा के अंतर को स्पष्ट किया व बताया कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं सरदार वल्लभ भाई पटेल आदि मुख्य नेताओं की इच्छा थी कि हिंदी को राजभाषा के रूप में स्थापित किया जाए। उन्होंने संविधान सभा के विषय में बताया कि भाषा एवं हिंदी पर संविधान सभा ने विचार विमर्श किए व भाषा विषयक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। उन्होंने व्याख्यान के अंत में संविधान के भाग 17 में अनुच्छेद 343 से 351 व अनुच्छेद 120 व 210 आदि अनुच्छेदों पर विस्तार से प्रकाश डाला। एम.ए. हिंदी की छात्रा कु. प्रियंका एवं अलीशा ने कविता एवं भाषण के द्वारा हिंदी भाषा पर अपने विचार प्रकट किए। कार्यक्रम के अंत में हिंदी विभाग की असिस्टेंट प्रो. वर्षा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन हिंदी विभाग की प्रवक्ता कु. तपस्या रानी वर्मा ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष योगदान हिंदी विभाग की प्रवक्ता कु. निगहत का रहा।

# दिव्यांग बच्चों के बीच मुख्यमंत्री ने मनाया जन्मदिन, साझा की खुशियां

**वेलकम इंडिया संवाददाता**

**देहरादून।** मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने जन्मदिवस के अवसर पर देहरादून स्थित राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान पहुंचकर अध्ययनरत बच्चों के साथ खुशियां साझा कीं। मुख्यमंत्री ने बच्चों के बीच केक काटकर अपना जन्मदिन मनाया। इस दौरान उन्होंने बच्चों से आत्मीय संवाद किया और उनके साथ काफी समय बिताया। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर संस्थान में अध्ययनरत बच्चे भी काफी उत्साहित और प्रसन्न नजर आए। मुख्यमंत्री ने बच्चों से उनकी पढ़ाई, रुचियों और भविष्य के लक्ष्यों के बारे में बातचीत की। उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें जीवन में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान संस्थान का वातावरण स्नेह, अपनत्व और उल्लास से भरा रहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों के साथ समय बिताना उनके लिए हमेशा विशेष अनुभव रहता है। उन्होंने कहा कि बच्चों के चेहरों पर दिखाई देने वाली खुशी और उनका स्नेह जन्मदिन के अवसर पर उनके लिए सबसे बड़ा उपहार है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे के भीतर प्रतिभा और आगे बढ़ने की अपार संभावनाएं होती हैं। आवश्यकता केवल उन्हें उचित अवसर, प्रोत्साहन और विश्वास प्रदान करने की है। पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि दिव्यांगजनों का सशक्तिकरण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग को इसमें अपनी भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि दिव्यांग बच्चों को शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के क्षेत्र में समान अवसर उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। समाज में ऐसा वातावरण तैयार किया जाना चाहिए, जहां किसी भी व्यक्ति को अपनी शारीरिक स्थिति के कारण अवसरों से वंचित न होना पड़े।

मुख्यमंत्री ने बच्चों से कहा कि जीवन में आने वाली चुनौतियों से घबराने के बजाय आत्मविश्वास और दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ उनका सामना करना चाहिए। निरंतर परिश्रम और सकारात्मक सोच के माध्यम से कठिन से कठिन लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। उन्होंने बच्चों को अपने सपनों और लक्ष्यों को लेकर आगे बढ़ने तथा शिक्षा को जीवन की मजबूत आधारशिला बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार दिव्यांगजनों के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए विभिन्न स्तरों पर प्रयास कर रही है। सरकार का उद्देश्य है कि दिव्यांगजन सम्मान के साथ जीवन व्यतीत करें और उन्हें अपनी क्षमता के अनुरूप आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर मिलें। उन्होंने संस्थान के शिक्षकों और कर्मचारियों से भी बच्चों की प्रतिभा को पहचानकर उन्हें आगे बढ़ाने में सहयोग करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी बच्चे की सफलता केवल उसकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं होती, बल्कि उसके परिवार, शिक्षकों और पूरे समाज के लिए गौरव का विषय होती है। उन्होंने बच्चों से अपने भीतर आत्मविश्वास बनाए रखने और प्रत्येक परिस्थिति में आगे बढ़ते रहने का संदेश दिया। जन्मदिन के अवसर पर मुख्यमंत्री का बच्चों के बीच पहुंचना संस्थान के लिए भी खास अवसर रहा। बच्चों ने मुख्यमंत्री के साथ बातचीत की और उनके साथ जन्मदिन की खुशियां साझा कीं। मुख्यमंत्री ने बच्चों को स्नेह और आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री की पत्नी गीता पुष्कर धामी, कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी तथा संस्थान के शिक्षक एवं अन्य संबंधित लोग मौजूद रहे।

## दाऊजी मेला की बेहतर व्यवस्थाओं पर एसडीएम का किया गया सम्मान

**वेलकम इंडिया संवाददाता**

**मथुरा/महावन।** दाऊजी महाराज के मेले की व्यवस्थाओं को बेहतर अंजाम देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने पर एसडीएम प्रजाक्ता त्रिपाठी का सम्मान किया गया। पंकज मुखिया ने गोकुल के घनश्याम शर्मा और बलदेव के छोटू नेता के साथ एसडीएम को गिरिराजजी का प्रसाद एवं स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया। इस दौरान घनश्याम शर्मा ने गोकुल के आराध्य नंदलाल का प्रसाद भेंट कर स्वागत किया, जबकि छोटू नेता ने दाऊजी महाराज का प्रसाद और दुपट्टा भेंटकर एसडीएम का अभिनंदन किया। सम्मानकताओं ने कहा कि मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने में प्रशासन की सक्रियता सराहनीय रही।

## हत्या के मामले में 24 घंटे के भीतर वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, आलाकत्ल बरामद

**वेलकम इंडिया संवाददाता**

**संतकबीरनगर।** थाना बेलहरकला पुलिस ने हत्या के मामले में वांछित अभियुक्त को घटना के 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त धारदार एवं नुकीली परखी भी बरामद की है। पुलिस के अनुसार अभियुक्त ने पुरानी रंजिश और विवाद के दौरान राजू पर उक्त हथियार से कई वार किए थे, जिसके बाद उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी मेंहदावल सर्वदवन सिंह के निकट पर्यवेक्षण में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत थाना बेलहरकला पुलिस ने कार्रवाई करते हुए हत्या के मामले में वांछित अभियुक्त रामदास गुप्ता पुत्र हरीराम गुप्ता निवासी जंगल दशहर, थाना बेलहरकला को गिरफ्तार किया। पुलिस टीम ने अभियुक्त को जंगल दशहर मोड़, ग्राम पिपरी के पास से गिरफ्तार किया। तलाशी और पूछताछ के दौरान पुलिस ने घटना में प्रयुक्त एक धारदार एवं नुकीली परखी बरामद की। पुलिस के मुताबिक यही हथियार घटना में इस्तेमाल किया गया था। पुलिस के अनुसार 15 सितंबर 2026 को थाना कोतवाली खलीलाबाद पर मंजू देवी पत्नी स्वर्गीय राजू निवासी जंगल दशहर, थाना बेलहरकला ने प्रार्थना पत्र देकर घटना की जानकारी दी थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि पुरानी रंजिश को लेकर रामदास गुप्ता ने नुकीले धारदार हथियार से उसके पति राजू के पेट में कई स्थानों पर वार किए। गंभीर रूप से घायल राजू को एंबुलेंस के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मेंहदावल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अभियुक्त की तलाश शुरू कर दी। मामले में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना बेलहरकला में मुकदमा अपराध संख्या 278/2026 के तहत धारा 103(1) भारतीय न्याय संहिता तथा धारा 3(2)(५) अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया गया।

पुलिस टीम ने घटना के बाद संभावित स्थानों पर दबिश देने के साथ ही अभियुक्त की तलाश शुरू की। सर्विलांस सेल की मदद से पुलिस को अभियुक्त के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर उसे जंगल दशहर मोड़, ग्राम पिपरी के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तारी घटना के 24 घंटे के भीतर की गई। पूछताछ में गिरफ्तार अभियुक्त रामदास गुप्ता ने पुलिस को बताया कि महेंद्र और उसकी पत्नी का उसके घर पर आना-जाना तथा उठना-बैठना था। पुलिस के अनुसार राजू की पत्नी मंजू और उसके भाई महेंद्र के बीच पैसे के लेन-देन को लेकर विवाद चल रहा था। अभियुक्त ने पुलिस को बताया कि मंजू उस पर आरोप लगाती थी कि उसके कहने पर ही महेंद्र संबंधित लोगों से लड़ाई-झगड़ा करता है। अभियुक्त के अनुसार इसी बात को लेकर 15 सितंबर की शाम राजू, उसकी पत्नी मंजू और उसके बीच विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते विवाद गाली-गलौज और मारपीट में बदल गया। इसी दौरान उसने अनाज निकालने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली नुकीली और धारदार परखी से राजू के सीने तथा पेट पर कई वार कर दिए। गंभीर रूप से घायल राजू को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने अभियुक्त की गिरफ्तारी के साथ ही घटना में प्रयुक्त हथियार बरामद कर लिया है। पुलिस अब मामले में अन्य आवश्यक कानूनी कार्रवाई कर रही है। गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा। हत्या की घटना के बाद पुलिस की त्वरित कार्रवाई को लेकर पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने कार्रवाई करने वाली टीम का उत्साहवर्धन किया।

## दुधारा से जातेडीहा सम्पर्क मार्ग पूरी तरह बदहाल, जिम्मेदार बेखबर

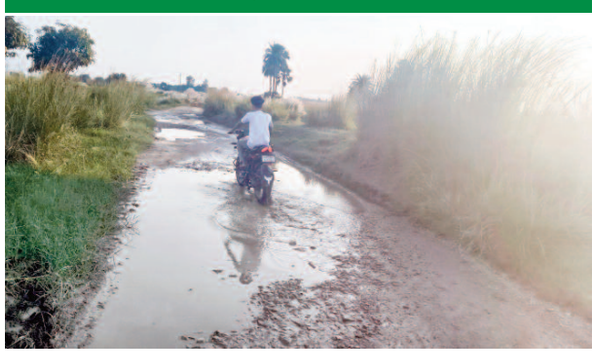

**संतकबीरनगर (वेलकम इंडिया)।** विकास खण्ड सेमरियावा के जातेडीहा, दुबौलिया, भरवलिया बूधन को थाना मुख्यालय से जोड़ने वाले दुधारा से जातेडीहा संपर्क मार्ग बदहाली का शिकार है। मरम्मत व देखरेख के अभाव में सड़क पर गहरे गहरे गड्ढे बन गये हैं जिनका कोई पुरसानेहाल नहीं है। जानकारी व मांग के बाद भी सम्बंधित जिम्मेदार अनजान बने हुए हैं। सेमरियावा ब्लाक के जातेडीहा, दुबौलिया, भरवलिया बूधन को थाना मुख्यालय से जोड़ने वाले दुधारा से जातेडीहा संपर्क मार्ग( सवा किमी) बदहाली का शिकार है। मरम्मत व देखरेख के अभाव में गिट्टियां उखड़ने से बन आये गड्ढे राहगीरों सहित व क्षेत्रीय लोगों की परेशानी का कारण बने हुए हैं जिसके चलते आये दिन लोग चोटहिल होते रहते हैं। सरकार की गड्ढा मुक्त योजना भी सड़क की हालत नहीं बदल सकी। ग्रामीण नसीमुद्दीन ग्राम प्रधान, कारी महबूब आलम नदवी, अब्दुल मोतल्लिब, नजीर अहमद, छाबर चौरसिया, राम नयन चौरसिया, रामचेल यादव, राम लछन, उमेश कुमार, अब्दुल हमीद, हाफिज तौफीक अहमद, राम पारस, भागमन, मोहम्मद आमिर, मुजीबुददीन आदि ने प्रशासन से सड़क का निर्माण कार्य कराये जाने की गुहार लगाये हैं।

## गोण्डा में विनोद साहनी के परिवार से मिले सतीश साहनी, साथियों के साथ पहुंचकर की मुलाकात

**वेलकम इंडिया संवाददाता**

**संतकबीरनगर।** गोण्डा में विनोद साहनी हत्याकांड के बाद जहां कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और नेताओं को पुलिस ने रोक दिया तो वहीं कांग्रेस फिशरमैन के प्रदेश उपाध्यक्ष व उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य सतीश साहनी अपने साथियों के साथ बाइक से विनोद साहनी के घर पहुंच गये। उनके पुत्र राज साहनी ने आप बीती बताई। बताया कि घर में परिवार का कोई सदस्य नहीं है। परिवार पूरी तरह डरा हुआ है। अभियुक्त खुलेआम घूम रहे हैं। पुलिस अब तक गिरफ्तार नहीं कर सकी है। अगर समय से इलाज हुआ होता तो जान बच सकती थी। लौटने के बाद कांग्रेस फिशरमैन के प्रदेश उपाध्यक्ष व उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य सतीश साहनी ने कहा कि मंत्री संजय निषाद पिताजी के मृत्यु के बाद आये पहले आये होते तो इलाज होने के साथ बच जाते। उन्होंने कहा कि सरकार नेताओं को मिलने से इसलिए रोक रही है कि कहीं सच्चाई उजागर न हो जाय।

उन्होंने मांग की कि विनोद साहनी की हत्या में शामिल सभी अपराधियों को तत्काल गिरफ्तार कर उनका एनकाउंटर किया जाए। हत्या में शामिल आरोपियों के अवैध निर्माण व मकानों को बुलडोजर से ध्वस्त किया जाए।पीड़ित परिवार के भरण-पोषण के लिए सरकार की ओर से 1 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता राशि (मुआवजा) दी जाए।मृतक विनोद साहनी के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी प्रदान की जाए। जब तक सभी आरोपियों को फांसी या एनकाउंटर की सजा नहीं मिलती, तब तक पीड़ित परिवार को पूर्ण पुलिस सुरक्षा मुहैया कराई जाए। इस अवसर पर ध्रुव चन्द्र निषाद, दिलीप निषाद, मिट्ठू साहनी आदि लोग मौजूद थे।

## चोरी के खुलासे के बाद व्यापारियों ने कसी सुरक्षा की कमर

### बाजारों में गार्ड तैनाती और रोशनी बढ़ाने का फैसला, पुलिस गश्त की भी मांग

**वेलकम इंडिया संवाददाता**

**मथुरा/कोसीकलां।** सराफा बाजार में हुई करोड़ों की चोरी का खुलासा होने के बाद व्यापारियों ने अब बाजारों की सुरक्षा को लेकर खुद कमर कसने का निर्णय लिया है। भारतीय उद्योग व्यापार मंडल एवं व्यापारी एकता संघ की संयुक्त बैठक में व्यापारियों ने पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए बाजारों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के कई महत्वपूर्ण फैसले लिए। मंगलवार की देर शाम कन्हैया कंठी माला वालों के निवास पर हुई बैठक में व्यापारियों ने चोरी का माल बरामद करने और घटना का शीघ्र खुलासा करने पर पुलिस प्रशासन के अधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों का आभार जताया। व्यापारियों ने कहा कि पुलिस की तत्परता से व्यापारियों में सुरक्षा का भरोसा मजबूत हुआ है। बैठक में घटना को प्रमुखता से उठाने और व्यापारी समाज की आवाज प्रशासन तक पहुंचाने के लिए पत्रकारों एवं मीडिया कर्मियों के सहयोग की भी सराहना की गई। भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष कन्हैयालाल गोयल ने बताया कि व्यापारियों ने तय किया कि प्रत्येक बाजार में आपसी सहयोग से सुरक्षा गार्ड तैनात किए जाएंगे। दुकानों और प्रतिष्ठानों के बाहर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था भी की जाएगी, ताकि रात में बाजार अंधेरे में न रहें। व्यापारियों ने कहा कि सुरक्षा केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं है, व्यापारी भी अपने प्रतिष्ठानों की सुरक्षा को लेकर सजग रहें। पुलिस प्रशासन से बाजारों में नियमित गश्त बढ़ाने और संवेदनशील क्षेत्रों में प्रभावी निगरानी की मांग की गई। व्यापार मंडल एवं व्यापारी एकता संघ के पदाधिकारी सुरक्षा संबंधी समस्याओं को लेकर पुलिस-प्रशासन से लगातार समन्वय बनाए रखेंगे। बैठक में नगर अध्यक्ष अंकित मालवीय, महामंत्री मनीष अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अशोक सोनी, सुरजीत चौधरी, अध्यक्ष महेश अग्रवाल, महामंत्री पंकज विसमरिया, मंत्री मनीष, हेमंत दीक्षित, कपिल खंडेलवाल, अजय अग्रवाल, शंकर बंसल, कन्हैया मंगल सहित दर्जनों व्यापारी मौजूद रहे।

## सूरदास ब्रज भाषा अकादमी के लिए निदेशक सहित विभिन्न पदों पर की नियुक्तियाँ

### गोवर्धन के पारासौली में मुख्यालय भवन बनने के बाद उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद ने अकादमी की संचालन व्यवस्था को अंजाम दिया

**मथुरा (वेलकम इंडिया)।** सूरदास ब्रज भाषा अकादमी अब अमल में आ गई है। कार्यालय भवन बनने के बाद अब उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद ने अकादमी के संचालन के लिए निदेशक सहित विभिन्न पदों पर नियुक्तियां की हैं। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने ब्रज भाषा के संरक्षण, साहित्य के विकास और इसके व्यापक प्रचार–प्रसार के उद्देश्य से अकादमी का गठन किया था। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की मुख्य कार्यपालक अधिकारी लक्ष्मी नागप्पन ने बताया कि ब्रज भाषा के संरक्षण को लेकर लम्बे समय से हो रही स्थानीय मांग को देखते हुए माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार ने सूरदास ब्रज भाषा अकादमी का गठन किया था। ब्रज भाषा प्रेमियों की इच्छा के अनुरूप इसमें ब्रज भाषा के साथ ब्रज साहित्य, लोक परंपराओं, लोककला और संगीत के संरक्षण एवं विकास की परिकल्पना की गई है। अकादमी के लिए गोवर्धन क्षेत्र के पारासौली स्थित सूरकुटी–चंद्रसरोवर को मुख्यालय बनाया गया। यहां अकादमी के साथ पुस्तकालय, सेमिनार भवन और इंटरप्रिटेशन सेंटर जैसी सुविधाएं मिलेंगी। यहाँ महाकवि सूरदास सहित विभिन्न कवियों की प्रतिमाओं और उनके जीवन व साहित्य से संबंधित सामग्री का प्रदर्शन किया है, जो लोगों को ब्रज की समृद्ध साहित्यिक परंपरा से परिचित कराता है।

सीईओ लक्ष्मी नागप्पन ने कहा कि ब्रज भाषा केवल बोलचाल की भाषा नहीं, बल्कि हिंदी साहित्य की समृद्ध साहित्यिक परंपरा की प्रमुख भाषाओं में रही है। सूरदास, रसखान और मीराबाई सहित अनेक भक्त कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से ब्रज भाषा को व्यापक पहचान दी। विशेष रूप से कृष्णभक्ति काव्य में ब्रज भाषा का महत्वपूर्ण स्थान रहा है। उन्होंने बताया कि ब्रज की साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत को देखते हुए सूरदास ब्रज भाषा अकादमी का संचालन ब्रज भाषा के लिए महत्वपूर्ण कदम है। इससे ब्रज भाषा के साहित्यकारों, शोधार्थियों, कलाकारों और भाषा प्रेमियों को एक संस्थागत मंच मिल सकेगा।

## जनगणना-2027 के द्वितीय चरण की तैयारियां तेज, प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को दिया तकनीकी प्रशिक्षण

**वेलकम इंडिया संवाददाता**

**संतकबीरनगर।** भारत की जनगणना-2027 के द्वितीय चरण यानी जनसंख्या गणना के सफल एवं सुचारू संचालन को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) एवं जिला जनगणना अधिकारी सत्य प्रकाश की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों के लिए तकनीकी प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में संबंधित अधिकारियों, प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को जनसंख्या गणना से जुड़ी प्रक्रियाओं, जिम्मेदारियों और तकनीकी पहलुओं की विस्तार से जानकारी दी गई। अपर जिलाधिकारी एवं जिला जनगणना अधिकारी सत्य प्रकाश ने कहा कि जनगणना देश की सामाजिक, आर्थिक और जनसांख्यिकीय स्थिति को समझने का महत्वपूर्ण माध्यम है। इसके आंकड़ों के आधार पर विभिन्न योजनाओं के निर्माण और उनके क्रियान्वयन में सहायता मिलती है। ऐसे में जनगणना कार्य से जुड़े सभी अधिकारी और कर्मचारी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी गंभीरता, संवेदनशीलता और निष्पक्षता के साथ करें। उन्होंने संबंधित प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को निर्देशित किया कि भारत की जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के अंतर्गत होने वाली जनसंख्या गणना के कार्य में निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं का पूरी तरह पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक परिवार से संबंधित जानकारी को निर्धारित प्रारूप और प्रक्रिया के अनुसार दर्ज किया जाए तथा गणना कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। प्रशिक्षण कार्यशाला में जिला प्रभारी जनगणना सुजीत कुमार ने जनगणना निदेशालय द्वारा निर्धारित तिथियों एवं अवधि के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने प्रगणकों, पर्यवेक्षकों और विभागीय अधिकारियों को जनसंख्या गणना के दौरान अपनाई जाने वाली प्रक्रिया, पूछे जाने वाले प्रश्नों और आंकड़ों के संकलन से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं के बारे में प्रशिक्षित किया। बताया गया कि भारत की जनगणना-2027 के द्वितीय चरण में नागरिकों एवं जनसंख्या की गणना की जाएगी। इस चरण के अंतर्गत प्रत्येक परिवार से निर्धारित प्रश्नों के माध्यम से विभिन्न प्रकार की जानकारी एकत्र की जाएगी। जनसंख्या गणना में व्यक्तिगत जानकारी, शिक्षा, रोजगार, भाषा, प्रवास, विकलांगता, धर्म सहित विभिन्न सामाजिक एवं आर्थिक पहलुओं से संबंधित कुल 40 प्रश्न शामिल किए गए हैं। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि जनगणना-2027 में पहली बार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अतिरिक्त अन्य जातियों से संबंधित आंकड़े भी एकत्र किए जाएंगे। इस प्रकार जातिगत आंकड़ों को भी जनसंख्या गणना की प्रक्रिया में शामिल किया गया है। इससे देश में विभिन्न सामाजिक समूहों से संबंधित जनसांख्यिकीय आंकड़ों के संकलन में सहायता मिलेगी।

कार्यशाला में यह भी बताया गया कि भारत की जनगणना-2027 देश की पहली पूरी तरह डिजिटल जनगणना होगी। जनसंख्या से संबंधित आंकड़ों को एकत्र करने के लिए मोबाइल ऐप का उपयोग किया जाएगा। प्रगणकों को मोबाइल ऐप के माध्यम से जानकारी दर्ज करने की प्रक्रिया के संबंध में तकनीकी प्रशिक्षण दिया गया। उन्हें ऐप के विभिन्न चरणों, आवश्यक सूचनाओं की प्रविष्टि तथा गणना के दौरान आने वाली संभावित तकनीकी समस्याओं के समाधान की जानकारी भी दी गई। प्रशिक्षण में जनसंख्या गणना के निर्धारित कार्यक्रम के बारे में भी जानकारी दी गई। बताया गया कि द्वितीय चरण के अंतर्गत स्व-गणना की प्रक्रिया 16 नवंबर से 30 नवंबर 2026 तक संचालित की जाएगी। इसके बाद मुख्य जनसंख्या गणना का कार्य 1 दिसंबर 2026 से 4 जनवरी 2027 के बीच कराया जाएगा। इसके पश्चात 5 जनवरी से 9 जनवरी 2027 तक संशोधन चरण यानी रिविजनल राउंड संचालित किया जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि जनगणना कार्य में प्रत्येक स्तर पर आपसी समन्वय बनाए रखना आवश्यक है। प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को अपने-अपने क्षेत्र में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कार्य करते हुए यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी परिवार अथवा व्यक्ति गणना से छूटने न पाए। साथ ही एकत्र किए जाने वाले आंकड़ों की शुद्धता और विश्वसनीयता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिएगए।

## जिलाधिकारी ने जनपद मथुरा के बाद स्थित ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का किया त्रैमासिक निरीक्षण

**वेलकम इंडिया संवाददाता**

**मथुरा।** जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने जनपद मथुरा के बाद स्थित ईवीएम वीवीपैट वेयरहाउस का त्रैमासिक आंतरिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे, जिसमें भारतीय जनता पार्टी से सुरेश तरकर, समाजवादी पार्टी से गगन रावत, सोनू ठाकुर व राजीव सिकरवार, बहुजन समाज पार्टी से मुनेंद्र सिंह निगम व रामबाबू गौतम तथा इंडियन नेशनल कांग्रेस से अशोक कुमार श्रीवास्तव मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने वेयरहाउस की नियमित साफ-सफाई के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने समस्त फायर सेफ्टी उपकरणों का अवलोकन किया तथा उनकी एक्सपायरी को चेक किया। उन्होंने सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी को निर्देश दिए कि समय समय पर अग्निशमन यंत्रों की जांच करते रहे। निरीक्षण में जिलाधिकारी ने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने वेयरहाउस की सुरक्षा में तैनात कर्मियों को मूल-भूत सुविधाएं प्रदान करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने सुरक्षा कर्मियों को निर्देश दिए कि अपने कार्यों को जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करे। सतर्कता बनाए रखे तथा निरंतर निगरानी सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने सीसीटीवी कैमरों के संचालन एवं बैकअप की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण में अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे नंद प्रकाश मौर्या, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता गुलवीर सिंह, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी मनोज खंडेलवाल सहित विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

# रोस्टिंग ने बढ़ाई ग्रामीणों की मुश्किले

## रातभर बिजली के इंतजार में ही कट रही हैं लोगों की रात

वेलकम इंडिया संवाददाता

**पूरनपुर/पीलीभीत।** ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार हो रही अघोषित बिजली कटौती से लोगों की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि शाम छह बजे से सुबह छह बजे तक करीब साढ़े 10 घंटे की रोस्टिंग की जा रही है। स्थिति यह है कि कई बार महज 10 मिनट बिजली आपूर्ति होने के बाद दो घंटे तक बिजली गुल रहती है। लगातार कटौती के चलते लोगों को उमस और गर्मी के बीच रात गुजारने को मजबूर होना पड़ रहा है। ग्रामीणों के मुताबिक शाम होते ही बिजली की आंख-मिचौली शुरू हो जाती है। कुछ देर के लिए आपूर्ति बहाल होती है, लेकिन इसके बाद फिर लंबी कटौती कर दी जाती है।

कई गांवों में यह सिलसिला पूरी रात चलता रहता है। ग्रामीणों का कहना है कि निर्धारित रोस्टिंग के अलावा बार-बार बिजली बंद होने से समस्या और गंभीर हो जाती है। बिजली की अनियमित आपूर्ति के कारण लोगों को यह पता नहीं चल पाता कि बिजली कब आएगी और कब चली जाएगी। लगातार बिजली न मिलने से घरेलू कामकाज भी प्रभावित हो रहे हैं। बच्चों की पढ़ाई बाधित हो रही है, वहीं किसानों को सिंचाई समेत अन्य जरूरी कार्यों में परेशानी उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि रात के समय बिजली कटौती होने से गर्मी और मच्छरों के बीच रहना मुश्किल हो जाता है। बुजुर्गों और छोटे बच्चों को भी विशेष परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि बिजली विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों से समस्या की शिकायत कई बार की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई स्थायी राहत नहीं मिली है। उनका आरोप है कि शिकायत करने के बावजूद स्पष्ट जानकारी नहीं दी जाती, जिससे ग्रामीणों में विभागीय व्यवस्था के प्रति नाराजगी बढ़ रही है।

ग्रामीणों ने उच्चाधिकारियों से मामले का संज्ञान लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि किसी कारण से रोस्टिंग आवश्यक है तो इसकी स्पष्ट समय-सारिणी सार्वजनिक की जाए, ताकि लोगों को पहले से जानकारी रहे। साथ ही अनावश्यक ट्रिपिंग और अतिरिक्त कटौती पर रोक लगाने की मांग की गई है।

### विभाग का पक्ष

एसडीओ पूरनपुर मोहित कुमार गुप्ता ने बताया कि वर्तमान में स्थानीय स्तर पर कोई कटौती नहीं की जा रही है। राज्य स्तर पर लोड मैनेजमेंट और ग्रिड सुरक्षा को लेकर उच्च स्तर से रोस्टिंग की जा रही है। जैसे ही उच्च स्तर से विद्युत उपलब्धता प्राप्त होती है, उपकेंद्र द्वारा तत्काल बिना किसी देरी के आपूर्ति शुरू कर दी जाती है। स्थानीय विद्युत तंत्र को सुचारु बनाए रखने के लिए विभागीय टीम लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने ग्रामीणों से तकनीकी परिस्थिति में सहयोग प्रदान करने की अपील की है।

# मेधा सम्मान समारोह-2026 में सौम्या सिंह सम्मानित

## बीएससी जेडबीसी में प्रथम स्थान हासिल कर बढ़ाया परिवार का गौरव

वेलकम इंडिया/समर्थ कुमार सक्सेना

**लखनऊ।** नेशनल पीजी कॉलेज, लखनऊ में आयोजित मेधा सम्मान समारोह-2026 में मेधावी छात्रा सौम्या सिंह को शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। सौम्या ने बीएससी जेडबीसी सत्र 2025-26 के द्वितीय एवं तृतीय सेमेस्टर में करीब 150 विद्यार्थियों के बीच प्रथम स्थान प्राप्त कर कक्षा में शीर्ष स्थान हासिल किया।

समारोह में मुख्य अतिथि उच्च न्यायालय, प्रयागराज के न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी तथा मोतीलाल मेमोरियल फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं प्रयागराज के सांसद उज्ज्वल रमन सिंह मौजूद रहे। इस अवसर पर नेशनल पीजी कॉलेज के प्रबंधक एवं प्राचार्य डॉ. देवेंद्र कुमार सिंह ने सौम्या सिंह को 10 हजार रुपये की नगद राशि, मेडल एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। सौम्या की इस उपलब्धि पर उनके पिता अरुण प्रताप सिंह ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी बेटी बचपन से ही पढ़ाई में प्रतिभाशाली रही है। पढ़ाई के साथ-साथ वह नृत्य और गायन में भी निपुण है। उन्होंने कहा कि सौम्या की मेहनत और लगन पूरे परिवार के लिए गर्व का विषय है। बेटियां परिवार का सम्मान और अभिमान होती हैं। अरुण प्रताप सिंह ने भावुक होते हुए कहा कि मेरी बेटी मेरा सम्मान, मेरा अभिमान है। सौम्या की उपलब्धि पर परिजनों, शिक्षकों और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह में सौम्या की सफलता को उसकी मेहनत, लगन और निरंतर अध्ययन का परिणाम बताया गया।

# ब्लॉक प्रमुख ने गांवों में लगाई जनसंवाद की चौपाल

## समस्याएं सुनीं, योजनाओं का लाभ दिलाने का दिया भरोसा

वेलकम इंडिया संवाददाता

**पीलीभीत।** विकासखंड मरौरी की ब्लॉक प्रमुख सभ्यता देवी वर्मा ने बुधवार को क्षेत्र के ग्राम मोहनपुर, अमीन नगर, खाईखेड़ा समेत कई गांवों का भ्रमण कर ग्रामीणों से संवाद किया। उन्होंने ग्रामवासियों का कुशलक्षेम जाना और गांवों से जुड़ी समस्याओं तथा विकास कार्यों के बारे में जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार की उपलब्धियों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन की 25 वर्षों की यात्रा को लेकर ग्रामीणों से चर्चा की।ब्लॉक प्रमुख सभ्यता देवी वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण और राष्ट्र निर्माण के संकल्प से जुड़े रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में जिम्मेदारी संभालने के बाद

से प्रधानमंत्री की शासन यात्रा अब 25वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, इस अवधि में उन्होंने देश के विकास और जनकल्याण के लिए निरंतर कार्य करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है।उन्होंने ग्रामीणों को बताया कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक प्रधानमंत्री के जन्मदिवस और सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों से जुड़े कार्यक्रमों के तहत विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने ग्रामीणों से इन कार्यक्रमों में सहभागिता करने की अपील की।सभ्यता देवी वर्मा ने कहा कि 17 सितंबर को शाम सात बजे प्रत्येक परिवार अपने घर पर एक दीप अवश्य प्रज्वलित करे। उन्होंने कहा कि यह दीप प्रधानमंत्री के प्रति कृतज्ञता और देश के प्रति सेवा भावना का प्रतीक बनेगा। साथ ही लोगों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की मंगलकामना करने का आह्वान किया।उन्होंने कहा कि गांवों की तरक्की में ग्रामीणों की भागीदारी महत्वपूर्ण है। सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचे, इसके लिए जागरूकता और सहभागिता दोनों जरूरी हैं। भ्रमण के दौरान उन्होंने ग्रामीणों की बात सुनी और उनकी समस्याओं को संबंधित स्तर पर रखने का भरोसा दिलाया। ग्रामीणों ने भी ब्लॉक प्रमुख का स्वागत करते हुए गांव की विभिन्न समस्याओं और विकास संबंधी मुद्दों से अवगत कराया। इस दौरान गांव के कई गणमान्य लोग और ग्रामीण मौजूद रहे।

# अंधेरा झेल रहे गांवों का 132 केवी पर आक्रोश, शेरपुर कलां, जटपुरा, टंडोला और रुद्रपुर के ग्रामीणों ने किया हंगामा

वेलकम इंडिया संवाददाता

**पूरनपुर/पीलीभीत।** ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार हो रही अघोषित बिजली कटौती को लेकर बुधवार को लोगों का सब्र जवाब दे गया। शेरपुर कलां, जटपुरा, टंडोला, रुद्रपुर समेत आसपास के गांवों के बड़ी संख्या में ग्रामीण पूरनपुर स्थित 132 केवी विद्युत उपकेंद्र पहुंच गए। बिजली कटौती को लेकर ग्रामीणों ने विभागीय व्यवस्था के खिलाफ जमकर नाराजगी जताई और हंगामा किया। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई।ग्रामीणों का कहना था कि क्षेत्र में बिजली आपूर्ति पूरी तरह बेपटरी हो गई है। रात के समय लगातार कई घंटे बिजली गायब रहने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, कई बार महज कुछ मिनट बिजली मिलने के बाद दोबारा लंबे

समय के लिए आपूर्ति बंद कर दी जाती है। इससे घरों में बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग परेशान हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि बिजली कटौती का कोई स्पष्ट शेड्यूल दिखाई नहीं दे रहा है। अचानक बिजली गुल होने के कारण लोगों के जरूरी काम प्रभावित हो रहे हैं। दुकानदारों और छोटे कारोबारियों को भी नुकसान उठाना पड़ रहा है। किसानों के सामने सिंचाई की समस्या खड़ी हो गई है। ग्रामीणों का कहना था कि यदि रोस्टिंग जरूरी है तो विभाग को उसका स्पष्ट समय निर्धारित कर उपभोक्ताओं को जानकारी देनी चाहिए, ताकि लोग अपनी दिनचर्या उसी के अनुसार तय कर सकें।132 केवी बिजलीघर पर पहुंचे ग्रामीणों ने विद्युत विभाग के अधिकारियों के समक्ष अपनी नाराजगी जताई।

उन्होंने कहा कि लगातार कटौती के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी समस्या का स्थायी समाधान नहीं कर पा रहे हैं। ग्रामीणों ने विद्युत आपूर्ति व्यवस्था की जांच कराने और क्षेत्र में निर्धारित समय के अनुसार बिजली उपलब्ध कराने की मांग उठाई।हंगामे की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को शांत कराने का प्रयास किया। पुलिस की मौजूदगी में ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं अधिकारियों के सामने रखीं। काफी देर तक बिजली कटौती को लेकर लोगों में आक्रोश बना रहा। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि विद्युत आपूर्ति व्यवस्था में जल्द सुधार नहीं किया गया और अघोषित कटौती पर रोक नहीं लगी तो वह दोबारा आंदोलन करने को मजबूर होंगे। ग्रामीणों का कहना था कि बिजली कोई सुविधा मात्र नहीं, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी और रोजगार की जरूरत है। लगातार कटौती ने गांवों की व्यवस्था को प्रभावित कर दिया है, इसलिए विभाग को तत्काल प्रभावी कदम उठाने चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने विद्युत अधिकारियों को ज्ञापन देकर समस्या का तत्काल समाधान करने की मांग की।

# सेवा और सामाजिक सरोकार के साथ मनाया गया कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर का 63वां जन्मदिवस

वेलकम इंडिया संवाददाता

**लखनऊ।** सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर का 63वां जन्मदिवस 15 सितंबर 2026 को राजधानी लखनऊ में हर्षोल्लास एवं सामाजिक सरोकार के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के मुरादाबाद जिलाध्यक्ष एवं मंत्री प्रतिनिधि रवि चौधरी लखनऊ पहुंचे। सर्वप्रथम भागीदारी भवन में आयोजित जन्मदिवस कार्यक्रम में पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं के साथ केक काटकर कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर को जन्मदिवस की शुभकामनाएं एवं बधाई दी गई। जन्मदिवस समारोह के उपरांत ओम प्रकाश राजभर के साथ रवि चौधरी ने लखनऊ स्थित अनाथ एवं दिव्यांगजनों के बीच पहुंचकर जन्मदिवस मनाया। इस दौरान केक

काटने के साथ सभी के साथ भोजन किया गया तथा आठ दिव्यांगजनों को वस्त्र वितरित किए गए। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने अनाथ आश्रम के संचालकों एवं वहां मौजूद लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली। उन्होंने आश्रम की व्यवस्थाओं को समझते हुए हरसंभव सहयोग एवं समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। जन्मदिवस के अवसर पर सेवा कार्य को प्राथमिकता देते हुए मंत्री जी का अनाथ एवं दिव्यांगजनों के बीच पहुंचना सामाजिक संवेदनशीलता और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता का संदेश देता नजर आया। कार्यक्रम के दौरान रवि चौधरी ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर का जन्मदिवस जरूरतमंद, अनाथ एवं दिव्यांगजनों के बीच मनाना हम सभी कार्यकताओं के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की सेवा और उसकी समस्याओं के समाधान के लिए सदैव प्रयासरत रहना ही सच्ची जनसेवा है।

# एमएलसी डॉ. सुरेंद्र चौधरी की मौजूदगी में मनोज शर्मा का जन्मदिन मनाया

प्रयागराज (वेलकम इंडिया)। सिविल लाइन्स स्थित बाटी चोखा रेस्टोरेंट में मनोज शर्मा जी का जन्मदिन हर्षोल्लास और आत्मीय माहौल में मनाया गया। इस अवसर पर माननीय विधान परिषद सदस्य डॉ. सुरेंद्र चौधरी सहित प्रयागराज के मीडिया बंधुओं, मित्रों एवं शुभचिंतकों ने उपस्थित होकर मनोज शर्मा जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी। जन्मदिन समारोह के दौरान केक काटकर खुशियां साझा की गईं। उपस्थित लोगों ने मनोज शर्मा जी के स्वस्थ, सुखी एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें अपना स्नेह और आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर आशुतोष राय, अभिषेक राय, नंदू राय, रवि शंकर द्विवेदी, कपिल सिंह, संतोष सिंह, मुकेश चतुर्वेदी, शुभम रावत, सनी केसरी, कुलदीप श्रीवास्तव, विकास अग्रहरि, रोहित जायसवाल, हर्षित त्रिपाठी, अमरेश पाल, अनवर भाई, शकील खान, शिवम द्विवेदी, कुलदीप सिंह सहित अन्य मित्र एवं बाटी चोखा रेस्टोरेंट परिवार के सदस्य मौजूद रहे। मनोज शर्मा जी ने जन्मदिन पर प्राप्त शुभकामनाओं के लिए सभी उपस्थित लोगों एवं विभिन्न माध्यमों से बधाई देने वाले मित्रों और शुभचिंतकों का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी का प्यार, स्नेह और आशीर्वाद उनके लिए बेहद खास है और इसी तरह स्नेह एवं आशीर्वाद हमेशा बना रहे।

# डीएम के पुराने आदेश के बावजूद डॉक्टर छत्रपाल को एमओआईसी की जिम्मेदारी !

## 2020 में गैरहाजिरी पर भविष्य में एमओआईसी न बनाने का आदेश

### अब बिलसंडा सीएचसी में तैनाती पर उठे सवाल

वेलकम इंडिया संवाददाता

**पीलीभीत।** शासन की ओर से स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लगातार निर्देश दिए जा रहे हैं, लेकिन पीलीभीत में एक पुराने प्रशासनिक आदेश के बावजूद डॉक्टर को एमओआईसी की जिम्मेदारी दिए जाने का मामला सामने आया है। वर्ष 2020 में तत्कालीन जिलाधिकारी द्वारा जारी आदेश के बाद अब डॉक्टर छत्रपाल को बिलसंडा सीएचसी में एमओआईसी की जिम्मेदारी दिए जाने पर सवाल खड़े हो रहे हैं। बताया गया कि 24 जून 2020 को तत्कालीन जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने निरीक्षण के दौरान तत्कालीन एमओआईसी डॉक्टर छत्रपाल को गैरहाजिर पाया था। निरीक्षण के दौरान कई अन्य कर्मचारी भी अनुपस्थित मिले थे। मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्कालीन डीएम ने डॉक्टर छत्रपाल को भविष्य में एमओआईसी पद पर नियुक्त नहीं किए जाने का आदेश जारी किया था।इसके बावजूद हाल ही में पीलीभीत में तैनात हुए सीएमओ डॉक्टर बीसी पंत की ओर से डॉक्टर छत्रपाल को बिलसंडा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एमओआईसी की जिम्मेदारी दिए जाने की बात सामने आई है। इससे स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली के साथ-साथ पुराने प्रशासनिक आदेशों के अनुपालन को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। मामला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि तत्कालीन डीएम का आदेश कोरोना काल के दौरान किए गए निरीक्षण के बाद जारी हुआ था। ऐसे में पुराने आदेश के बावजूद नई जिम्मेदारी दिए जाने को लेकर विभागीय पारदर्शिता पर सवाल उठाए जा रहे हैं। हालांकि, वर्तमान तैनाती किस आदेश और किन नियमों के तहत की गई, इसकी आधिकारिक स्थिति जांच के बाद ही स्पष्ट होगी।पूरे मामले में जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया कि प्रकरण की जांच कराई जाएगी। यदि नियुक्ति नियमों के विपरीत पाई गई तो सीएमओ से जवाब तलब किया जाएगा।

## बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने पर दिया जोर पीडीए के सहारे गांवों तक पहुंचेगी सपा की आवाज

**पूरनपुर/पीलीभीत।** 129 विधानसभा क्षेत्र पूरनपुर के गांव माधोटांडा में बुधवार को समाजवादी पार्टी के नेता अशोक राजा की ओर से पीडीए की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पार्टी संगठन को मजबूत करने, कार्यकताओं को सक्रिय करने और गांव-गांव जनसंपर्क बढ़ाने को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान कार्यकताओं से पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को आम लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया गया।बैठक में सपा नेताओं ने कहा कि पार्टी की ओर से पीडीए के माध्यम से पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग के लोगों के बीच संवाद बढ़ाने के लिए लगातार कार्यक्रम किए जा रहे हैं। कार्यकताओं से कहा गया कि वे क्षेत्र में लोगों से संपर्क कर उनकी समस्याओं को सुनें और संगठन के माध्यम से उनकी आवाज उठाने का प्रयास करें। अशोक राजा ने कहा कि संगठन की मजबूती कार्यकताओं की सक्रियता पर निर्भर करती है।

# राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षिका सुनीता रानी का भगतपुर टांडा में सम्मान

वेलकम इंडिया संवाददाता

**टांडा।** निपुण भारत मिशन के अंतर्गत बुधवार को भोजपुर स्थित राजमहल मैरिज हॉल में ब्लॉक स्तरीय संगोष्ठी एवं उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बीईओ मोहित कुमार ने की। इस दौरान राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षिका सुनीता रानी को सम्मानित किया गया। बीईओ मोहित कुमार सहित विभिन्न शिक्षक संगठनों के पदाधिकारियों ने सुनीता रानी को सम्मान प्रदान किया। साथ ही ब्लॉक के कई नवाचारी शिक्षक-शिक्षिकाओं को भी सम्मानित किया गया। बीईओ मोहित कुमार ने कहा कि सुनीता रानी को राज्य पुरस्कार मिलना पूरे ब्लॉक के लिए गर्व की बात है। उन्होंने शिक्षकों से अपील की कि कठिन परिस्थितियों में भी ईमानदारी और लगन से काम करते रहें। पूर्व बीईओ सद्दीक अहमद ने कहा कि शिक्षक बच्चों को अपने बच्चों की तरह प्रेम और अपनापन देकर शिक्षा दें तथा दायित्वों का पूरी निष्ठा से पालन करें। सम्मानित शिक्षिका सुनीता रानी ने कहा कि जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन ही सबसे बड़ी सफलता है। उन्होंने बीईओ, ब्लॉक के शिक्षक-शिक्षिकाओं और विद्यालय स्टाफ का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में एसआरजी डॉ. सचिन शुक्ला, डॉ. ऋतु त्यागी, एआरपी श्रवण कुमार, सुमन, करुण चौहान, विनय कुमार, पूर्व एआरपी सुभाषचंद्र, सुरेंद्र पाल सिंह, पूर्व एबीआरसी शमीम बेग, मोहम्मद अतीक, अंजुला सिंह, पंकज शर्मा, अशरफ अली पाशा, डॉ. रईस आलम, मोहम्मद तकी, पारुल जैन, सुधीर कुमार, दानवीर सिंह, करनपाल सिंह, नरेश सिंह, मोहम्मद इकराम, धर्मपाल सिंह, अनिल गिल, मोहम्मद आरिफ, लईक सैफी, सुभाष सागर, शाजिया अहसन, मोनिका पाल, कंचन नागर, नाजिया तबस्सुम और शीबा निसार सहित बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

# जुलूस-ए-गौसिया को लेकर तैयारियां तेज, जामा मस्जिद में हुई अहम बैठक

## 24 सितंबर को धनाराघाट मार्ग से नौगमा, नवदिया और कुरैशिया होकर निकलेगा जुलूस

वेलकम इंडिया संवाददाता

**पूरनपुर/पीलीभीत।** तहसील क्षेत्र के गांव शेरपुर कलां में जुलूस-ए-गौसिया की तैयारियों को लेकर बुधवार सुबह शाही जामा मस्जिद में अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक शाही इमाम मुफ्ती तहसीन रजा कादरी की सरपरस्ती में हुई। इसमें क्षेत्र की विभिन्न मस्जिदों के इमाम, उलमा-ए-अहले सुन्नत, शेरपुर कलां एवं टीटीएस के जिम्मेदारों के साथ मुतवल्ली और अन्य लोग शामिल हुए। बैठक में आगामी 24 सितंबर को निकलने वाले जुलूस- ए-गौसिया को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। जिम्मेदारों ने जुलूस के दौरान व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने, निर्धारित समय और तयशुदा मार्गों का पालन करने पर विशेष जोर दिया। बताया गया कि जुलूस सुबह 7:30 बजे शाही जामा मस्जिद के मैदान से रवाना होगा और अपने कदीमी व निर्धारित मार्गों से होकर गुजरेगा।बैठक में जुलूस को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके से

संपन्न कराने को लेकर सभी जिम्मेदारों से सहयोग की अपील की गई। साथ ही शेरपुर कलां के लोगों से बड़ी संख्या में जुलूस में शामिल होकर इसे सफल बनाने की अपील की गई। वक्ताओं ने कहा कि जुलूस के दौरान अनुशासन और आपसी भाईचारे का विशेष ध्यान रखा जाए तथा सभी लोग तय व्यवस्था के अनुसार ही शामिल हों।बैठक में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए सर्वसम्मति से तय किया गया कि जुलूस में डीजे वाली ठेली अथवा किसी भी प्रकार का साउंड सिस्टम लगी ठेली शामिल नहीं की जाएगी। जिम्मेदारों ने स्पष्ट किया कि यह व्यवस्था सभी पर समान रूप से लागू रहेगी और जुलूस में शामिल होने वाले लोगों से इसका पालन करने की अपील की गई।बैठक के दौरान जुलूस के मार्ग, समयबद्धता और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर जिम्मेदारों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। आयोजकों ने लोगों से अपील की कि जुलूस को शांतिपूर्ण और अनुशासित तरीके से संपन्न कराने में अपना सहयोग दें।इस मौके पर मौलाना वासिल जफर, हाफिज अनीस, हाफिज आसिफ हुसैन, मौलाना

# बैंक ऑफ इंडिया वाराणसी अंचल में हिंदी माह के तहत हस्ताक्षर अभियान और मुहावरा पहेली प्रतियोगिता

## अधिकारियों और कर्मचारियों ने हिंदी में हस्ताक्षर करने का लिया संकल्प, रचनात्मक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

**वाराणसी।** बैंक ऑफ इंडिया वाराणसी अंचल द्वारा हिंदी माह-2026 के अवसर पर राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार और कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आंचलिक कार्यालय एवं अंचल की विभिन्न शाखाओं में ह्यहिंदी में हस्ताक्षर अभियानह्ल चलाया गया। अभियान में बैंक के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए हिंदी में हस्ताक्षर करने का संकल्प लिया। अभियान का उद्देश्य हिंदी को कार्यालयीन कार्यों का अभिन्न हिस्सा बनाना तथा कार्यालय में राजभाषा हिंदी के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करना है। हिंदी में हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से कर्मचारियों में हिंदी भाषा के प्रति सम्मान, अपनत्व और आत्मविश्वास की भावना को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया। इसी अवसर पर आंचलिक कार्यालय के स्टाफ सदस्यों के बीच ह्यमूक मुहावरा पहेली प्रतियोगिताह्ल का आयोजन भी किया गया। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने बिना बोले केवल अभिनय और हाव-भाव के माध्यम से विभिन्न हिंदी मुहावरों को प्रस्तुत किया। टीम के अन्य सदस्यों ने उन मुहावरों को पहचानकर प्रतियोगिता को मनोरंजक एवं ज्ञानवर्धक बनाया। कर्मचारियों ने पूरे उत्साह के साथ प्रतियोगिता में सहभागिता की। इस आयोजन के माध्यम से हिंदी भाषा की समृद्धि, अभिव्यक्ति की विविधता और रचनात्मकता को एक मंच पर प्रस्तुत किया गया। अंचल प्रमुख शशिकांत प्रसाद ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम हिंदी भाषा के प्रति रुचि बढ़ाने के साथ-साथ कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रभावी प्रयोग को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए कर्मचारियों की सक्रिय सहभागिता आवश्यक है और ऐसे रचनात्मक कार्यक्रम इस दिशा में सकारात्मक वातावरण तैयार करते हैं। उप आंचलिक प्रबंधक मनोज कुमार ने अपने संबोधन में बताया कि हिंदी माह के अवसर पर अंचल में विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इनमें हिंदी में ई-मेल लेखन प्रतियोगिता, संस्मरण लेखन प्रतियोगिता, राजभाषा प्रश्नोत्तरी एवं अनुवाद प्रतियोगिता, नारा लेखन प्रतियोगिता तथा आशु भाषण प्रतियोगिता सहित अन्य गतिविधियां शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन रचनात्मक कार्यक्रमों के माध्यम से अंचल में हिंदी के प्रति जागरूकता और कर्मचारियों की सहभागिता को बढ़ावा दिया जा रहा है।

# श्यामलाल सरस्वती महाविद्यालय में स्मार्ट निवेशक जागरूकता कार्यशाला आयोजित, विद्यार्थियों ने सीखे सुरक्षित निवेश के गुर

वेलकम इंडिया संवाददाता

**शिकारपुर।** श्यामलाल सरस्वती महाविद्यालय में बुधवार को वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग की ओर से विद्यार्थियों को वित्तीय रूप से सक्षम और जागरूक बनाने के उद्देश्य से सेबी के अंतर्गत एक दिवसीय स्मार्ट निवेशक जागरूकता एवं वित्तीय साक्षरता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बीकॉम और बीबीए के करीब 120 विद्यार्थियों तथा शिक्षकों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं वक्ता सेबी एक्सपर्ट, ट्रेनर व मोटिवेशनल स्पीकर चन्द्रेश कुमार गुप्ता, कोऑर्डिनेटर एवं एचआर बबिता वार्ष्णेय, प्राचार्य डॉ. ललित कुमार गुप्ता, नैक कोऑर्डिनेटर रेशू भारद्वाज और रजिस्ट्रार डॉ. नीरज कुमार ने मां शारदे के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित एवं पुष्पार्चन कर किया। मुख्य वक्ता चन्द्रेश कुमार गुप्ता ने विद्यार्थियों को वित्तीय प्रबंधन, नियमित बचत, शेयर बाजार और निवेश से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों और अपने अनुभवों के माध्यम से विद्यार्थियों को निवेश में जागरूकता और सावधानी के महत्व को समझाया। साथ ही विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। कोऑर्डिनेटर बबिता वार्ष्णेय ने कार्यशाला की व्यवस्थाओं में सक्रिय सहयोग दिया। प्राचार्य डॉ. ललित कुमार गुप्ता ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक ज्ञान भी प्रदान करते हैं। कार्यक्रम संयोजिका रेशू भारद्वाज ने विद्यार्थियों को वित्तीय प्रबंधन, सुरक्षित निवेश और नियमित बचत के लिए प्रेरित किया। वाणिज्य एवं प्रबंधन विभागाध्यक्ष सिद्धार्थ जैन ने अतिथियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। संचालन वाणिज्य विभाग की सहायक प्राध्यापिका सलोनी भटनागर ने किया। इस अवसर पर सांस्कृतिक प्रभारी अंकिता भारद्वाज, पुस्तकालयाध्यक्ष प्रदीप शर्मा, गणित विभागाध्यक्ष प्रशान्त शर्मा, वाणिज्य विभाग के सहायक प्राध्यापक मनीष कुमार सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

# आर आर पब्लिक स्कूल के छात्र रीतिक यादव बने सब इंस्पेक्टर

वेलकम इंडिया/नितिन शर्मा

**नूरपुर।** स्योहारा रोड़ स्थित आर आर पब्लिक स्कूल के छात्र रीतिक यादव का उत्तर प्रदेश पुलिस में सब इंस्पेक्टर के लिए चयन होने पर प्रधानाचार्य प्रणय मनु गुप्ता ने अपनी शुभकामनाएं भेंट कर छात्र के उज्जवल भविष्य की कामना की है। आर आर पब्लिक स्कूल से 12वी तक की पढाई करने वाले रीतिक यादव का उत्तर प्रदेश पुलिस में सब इंस्पेक्टर के पद पर चयन होने पर गांव व परिवार में खुशी का माहौल है। रीतिक यादव ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने पूजनीय माता-पिता व गुरुजनों को दिया है। छात्र रीतिक यादव का कहना है कि उनके पिता अनिल यादव का सपना था कि वह पढ़ लिखकर उत्तर प्रदेश पुलिस में चयनित होकर देश एवं समाज की सेवा करे। मूल रूप से सैदपुर माफी निवासी रीतिक के पिता किसान परिवार से आते है और गांव के पूर्व सरपंच रह चुके हैं। सामाजिक कार्य में उन्हें विशेष लगाव रहता है। रीतिक यादव ने नियमित पढ़ाई कर पिता की इच्छा को पूरा करने में सफलता प्राप्त की है। इसके लिए वह काफी खुश है। अपने गुरूजनों व पिता से मिली प्रेरणा के कारण ही वह पिता के सपने को पूरा करने में कामयाब हो पाया है।

छात्र के स्कूल पहुंचने पर प्रधानाचार्य प्रणय मनु गुप्ता ने अपनी शुभकामनाएं भेंट कर मीठाई खिलाकर स्वागत किया। स्कूल के प्रधानाचार्य ने बताया कि आज रीतिक की तरह स्कूल के अनेक विद्यार्थी अलग-अलग क्षेत्र में विभिन्न पदों पर आसीन होकर देश व समाज की सेवा करते हुए स्कूल का नाम रोशन कर रहे हैं। इस मौके पर स्कूल के चेयरमैन डॉ मनुजेंद्र गुप्ता, उप प्रधानाचार्य टीकम सिंह, चंचल कटारिया, नीरज त्यागी, अनुराग शर्मा, संजीव डबास, तरूण गर्ग, अजय चौहान, स्वाति यादव, विरेन्द्र सिंह, कपिल कुमार, जीवन सिंह आदि ने अपनी शुभकामनाएं भेंट की।

# दहेज हत्या के दोषी को 7 साल की सजा, 10 हजार रुपये जुमार्ना

**बुलंदशहर।** ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान के तहत बुलंदशहर पुलिस की प्रभावी पैरवी के चलते दहेज हत्या के मामले में दोषी अभियुक्त को न्यायालय ने सात वर्ष के कारावास और 10 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। पुलिस के अनुसार, अरनिया थाना क्षेत्र के गांव बड़ागांव निवासी जयभगवान शर्मा पुत्र रामस्वरूप पर वर्ष 2024 में अतिरिक्त दहेज की मांग करने और महिला को आग लगाकर उसकी हत्या करने का आरोप था। मामले में 24 फरवरी 2024 को थाना अरनिया में मुकदमा अपराध संख्या 42/24 के तहत धारा 498ए, 304बी, 201 आईपीसी तथा 3/4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम में मुकदमा दर्ज किया गया था। विवेचना के बाद पुलिस ने 16 अप्रैल 2024 को न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया। अभियोग को पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत चिन्हित कर मॉनीटरिंग सेल ने न्यायालय में प्रभावी पैरवी की।

# स्वच्छ कुण्ड पर जलाये जायेंगे 11 हजार आशीर्वाद दिए

## प्रधानमंत्री के जन्म दिन 17 सितंबर से एक माह तक चलेगा 'सेवा संकल्प अभियान'

वेलकम इंडिया संवाददाता

**सहारनपुर।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस 17 सितंबर को श्री जाहरवीर गोगा महाड़ी परिसर स्थित स्वच्छ कुण्ड पर 11 हजार आशीर्वाद दिए जलाये जायेंगे। इसके अतिरिक्त मां शाकंभरी कान्हा उपवन गोशाला, श्री भूतेश्वर महादेव मंदिर, काशीराम कालोनी तथा रेलवे स्टेशन पर भगवान बुद्ध की प्रतिमा के चारों ओर भी बड़ी संख्या में आशीर्वाद दिए जलाकर राष्ट्र समृद्धि की कामना की जायेगी। नगर निगम के मां शाकंभरी सभाकक्ष में महापौर डॉ.अजय कुमार की अध्यक्षता में निगम अधिकारियों के साथ हुयी एक बैठक में उक्त निर्णय लिया गया। इस अवसर पर महापौर ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ भी दिलायी। महापौर डॉ. अजय कुमार ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में जनसेवा और सुशासन के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में उनके जन्म दिन 17 सितंबर से 17 अक्तूबर तक 'स्वच्छता ही सेवा 2026', 'स्वच्छता में सहभागिता, स्वच्छ भारत विकसित भारत', 'सेवा संकल्प' और 'आशीर्वाद का दिया' अभियान चलाया जायेगा। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाना और राष्ट्र निर्माण का संकल्प लेना है। अभियान की शुरूआत पर 17 सितंबर की शाम 7 बजे प्रमुख व धार्मिक स्थलों और घरों में 'आशीर्वाद का दीया' (दीपोत्सव) जलाकर सहभागिता करते हुए की जाएगी। उन्होंने बताया कि कल अभियान के शुभारंभ दिवस पर मौहल्ला समिति एवं जनप्रतिनिधियों को साथ लेते हुए समस्त वार्डो में श्रमदान किया जायेगा और स्वच्छता शपथ दिलायी जायेगी। इसके अलावा समस्त वार्डो में सफाई अभियान भी चलाया जायेगा। शाम को सात बजे महानगर के पांच प्रमुख स्थलों श्रीगोगा महाड़ी स्थित स्वच्छ कुण्ड, मां शाकंभरी कान्हा उपवन गोशाला, श्री भूतेश्वर महादेव मंदिर, काशीराम कालोनी तथा रेलवे स्टेशन पर भगवान बुद्ध की प्रतिमा के चारों ओर भी बड़ी संख्या में आशीर्वाद दिए प्रज्वलित किये जायेंगे। उन्होंने बताया कि इस एक माह के अभियान का प्रधानमंत्री का उद्देश्य गरीबों व लोककल्याण तथा राष्ट्र निर्माण की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना है ताकि आम लोगों के जीवन में बदलाव आ सके। उन्होंने लोगों से घर-घर, दर-दर एक दिया जलाने की अपील करते हुए कहा कि 'जिसने देश/जीवन का जीवन संवारा, उसको हैं आशीर्वाद हमारास की भावना के साथ दीप प्रज्वलित करते हुए राष्ट्र की समृद्धि की कामना करें। उन्होंने उक्त कार्यक्रमों में समस्त जनप्रतिनिधियों, पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं अधिकारियों को आमंत्रित करने के निर्देश दिए। नगरायुक्त शिपू गिरि ने निगम अधिकारियों को अभियान के अंतर्गत नालों एवं समस्त वार्डो में विशेष सफाई अभियान चलाने तथा पेड़ों की कंटाई-छंटाई आदि करने के निर्देश दिए।

# ब्रिक्स सम्मेलन के बाद उत्तर प्रदेश के पर्यटन में नई संभावनाओं पर मंथन

## वाराणसी में पर्यटन एवं आतिथ्य क्षेत्र के विशेषज्ञों ने अवसरों, चुनौतियों और भविष्य की दिशा पर की चर्चा

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

**वाराणसी।** सारनाथ स्थित होटल आम बाग में ग्लोबल एसोसिएशन ऑफ इवेंट्स एंड हॉस्पिटैलिटी प्रोफेशनल्स (जीएईएचपी) उत्तर प्रदेश चैप्टर के तत्वावधान में विशेष हाई टी एवं पर्यटन उद्योग संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ब्रिक्स सम्मेलन के बाद उत्तर प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र पर पड़ने वाले प्रभाव, उभरते अवसरों, चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं को लेकर पर्यटन एवं आतिथ्य क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों ने विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं सम्मानित अतिथि इंडिया टूरिज्म वाराणसी के सहायक निदेशक अमित गुप्ता रहे। उन्होंने ब्रिक्स जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों से भारत और विशेष रूप से उत्तर प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र को मिलने वाले अवसरों पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और विरासत पर्यटन क्षमता को वैश्विक स्तर पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने के अवसर बढ़े हैं। ऐसे आयोजनों से उत्तर प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों को अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों तक पहुंचाने की संभावनाएं भी मजबूत होती हैं। जीएईएचपी उत्तर प्रदेश चैप्टर के अध्यक्ष डीएन सिंह ने कहा कि वाराणसी, अयोध्या, प्रयागराज, मथुरा-वृंदावन, आगरा सहित प्रदेश के अन्य प्रमुख पर्यटन स्थलों की समृद्ध आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों तक पहुंचाने के लिए पर्यटन उद्योग, होटल, यात्रा व्यवसाय, आयोजन क्षेत्र और सरकारी संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स जैसे अंतरराष्ट्रीय आयोजनों से उत्पन्न वैश्विक रुचि को उत्तर प्रदेश के पर्यटन उत्पादों में परिवर्तित करने के लिए उद्योग से जुड़े सभी पक्षों को मिलकर ठोस रणनीति तैयार करनी चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से बैठक, प्रोत्साहन, सम्मेलन एवं प्रदर्शनी पर्यटन, आध्यात्मिक पर्यटन, सांस्कृतिक पर्यटन, विलासिता पर्यटन तथा गंतव्य विवाह जैसे क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश की संभावनाओं पर जोर दिया। कार्यक्रम का संचालन जीएईएचपी उत्तर प्रदेश चैप्टर के सचिव अवनीश कांत पाठक ने किया, जबकि उदय सिंह ने उपस्थित अतिथियों एवं सदस्यों का स्वागत किया। कार्यक्रम में पर्यटन एवं आतिथ्य क्षेत्र से जुड़े सुशील कुमार सिंह, राजीव सिंह, शांतनु सिंह, डॉ. अजय सिंह, जितेंद्र सिंह, केसी सिंह, मुकुल दुबे, कुबेर भारद्वाज, अनुप प्रसाद, कुणाल सोलंकी, शाहाब आलम, अभिषेक पाठक, सुधांशु सक्सेना, गौतम पाण्डेय, अभिजीत रॉय, अश्वनी सिंह, बिनीत कुमार मिश्रा और सागर थापा सहित अनेक लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश में पर्यटन की बदलती संभावनाओं, पर्यटकों के लिए बेहतर अनुभव विकसित करने, अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रदेश की पर्यटन पहचान को मजबूत करने तथा भविष्य में पर्यटन एवं आतिथ्य उद्योग को और सशक्त बनाने पर सकारात्मक एवं सार्थक चर्चा हुई।

# माचिस मांगने से शुरू हुआ विवाद, चाकूबाजी में युवक की मौत

## दो आरोपी गिरफ्तार, नाबालिग को भी पुलिस ने पकड़ा; वारदात में इस्तेमाल चाकू बरामद

वेलकम इंडिया/एहसान अंसारी

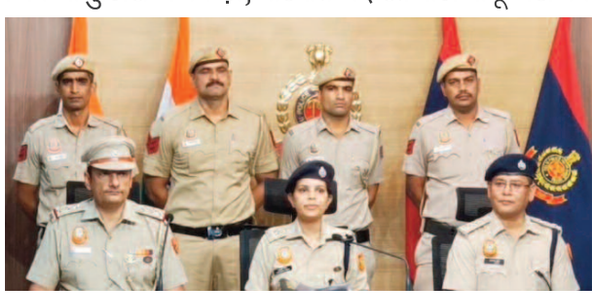

**नई दिल्ली।** उत्तर-पश्चिम जिले के केशवपुरम इलाके में सिगरेट जलाने के लिए माचिस मांगने को लेकर शुरू हुआ विवाद कथित तौर पर चाकूबाजी में बदल गया। घटना में 30 वर्षीय युवक भवानी की मौत हो गई, जबकि 32 वर्षीय आशा राम घायल हो गए। मामले में दिल्ली पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार करने के साथ एक नाबालिग को भी पकड़ा है। पुलिस के अनुसार, घटना 15 सितंबर 2026 को डीएसआईआईडीसी वाइन शॉप के सामने हुई। चाकूबाजी की सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां फुटपाथ पर खून के निशान मिले। पुलिस ने दोनों घायलों को उपचार के लिए दीप चंद बंधु अस्पताल पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने भवानी को मृत घोषित कर दिया। जांच के दौरान उसके शरीर की बाईं ओर पीठ पर गहरा कटा हुआ घाव मिला। वहीं आशा राम के निचले बाएं सीने पर चाकू से वार का घाव पाया गया। उनका अस्पताल में उपचार किया गया। प्रारंभिक पुलिस जांच के मुताबिक, सिगरेट जलाने के लिए माचिस मांगने और माचिस देने से इनकार करने के बाद दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर युवकों ने भवानी और आशा राम के साथ मुक्कों से मारपीट की और इसके बाद चाकू से हमला कर दिया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने मामले में 19 वर्षीय नरेश बहादुर उर्फ नेपाली और 19 वर्षीय तरुण को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा एक नाबालिग को भी पुलिस ने पकड़ा है। पुलिस के अनुसार, नरेश बहादुर उर्फ नेपाली ने कथित तौर पर दोनों पीड़ितों पर चाकू से हमला किया। उसकी निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल खून से सना चाकू बरामद किया गया है। वहीं तरुण और नाबालिग पर दोनों पीड़ितों के साथ कथित तौर पर मारपीट करने का आरोप है। इस संबंध में थाना केशवपुरम में प्राथमिकी संख्या 321/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1)/109(1) में मामला दर्ज किया गया है।

# विश्व हिंदू महासंघ मातृशक्ति प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष बनीं संगीता मिश्रा

## भिखारी प्रजापति ने दी बधाई, प्रदेश में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर जोर

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

**वाराणसी।** विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश में संगठन को मजबूत करने और मातृशक्ति की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति ने वाराणसी की संगीता मिश्रा को विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश के मातृशक्ति प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। संगठन की ओर से जारी नियुक्ति के बाद नई जिम्मेदारी मिलने पर संगीता मिश्रा को पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने शुभकामनाएं दीं। संगठन से जुड़े लोगों का कहना है कि उनकी नियुक्ति से महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा मिलने के साथ ही मातृशक्ति प्रकोष्ठ को प्रदेश स्तर पर नई दिशा मिल सकती है। प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति ने संगीता मिश्रा को बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि वह संगठन की विचारधारा और उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने के साथ मातृशक्ति को संगठन से जोड़ने के लिए प्रभावी प्रयास करेंगी। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सक्रिय सहभागिता किसी भी सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठन को मजबूती प्रदान करती है। उन्होंने विश्वास जताया कि संगीता मिश्रा अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए संगठन को प्रदेश स्तर पर और मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष संगीता मिश्रा ने संगठन नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए मिली जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निर्वहन करने का संकल्प जताया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मातृशक्ति को संगठित कर संगठन को मजबूत बनाने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकताओं से सहयोग की अपेक्षा भी व्यक्त की।

# हल्दी और दुर्वा की कूची से बच्चों ने उकेरी भगवान गणेश की तस्वीर

## प्रबोधिनी फाउण्डेशन की अनोखी चित्रकारी प्रतियोगिता में 55 नौनिहालों ने लिया हिस्सा

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

**वाराणसी।** राजातालाब तहसील के नरसड़ा-जक्खिनी क्षेत्र में प्रबोधिनी फाउण्डेशन के तत्वावधान में गणेश चतुर्थी के अवसर पर वेदान्ता पब्लिक स्कूल की नर्सरी कक्षा के बच्चों के बीच भगवान गणेश की चित्रकारी एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता को विशेष रूप से प्राकृतिक रंगों और पारंपरिक सामग्री के उपयोग के कारण अनोखा बनाया गया। इसमें बच्चों ने उत्साह और रचनात्मकता के साथ भाग लिया।

प्रतियोगिता की खास बात यह रही कि बच्चों ने भगवान गणेश की चित्रकारी के लिए बाजार में मिलने वाले कृत्रिम रंगों के बजाय पत्थर की सिल-बट्टे पर शुद्ध हल्दी पीसकर तैयार किए गए हर्बल रंग का इस्तेमाल किया। चित्रों में रंग भरने के लिए दुर्वा की कूची का प्रयोग किया गया। प्राकृतिक सामग्री से चित्रकारी करने का अनुभव बच्चों के लिए उत्साह और कौतूहल से भरा रहा। कुल 55 बच्चों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में शिवम बिंद ने प्रथम, कृष्णा राय ने द्वितीय, अंशिका यादव ने तृतीय, शिवांगी मिश्रा ने चतुर्थ तथा शुभम ने पांचवां स्थान प्राप्त किया। विजेता बच्चों को प्रबोधिनी फाउण्डेशन की संयोजक श्रेया राय एवं धृति राय ने आयुर्वेदिक पौधे, आंवले का मुरब्बा तथा कॉपी-पेंसिल प्रदान कर सम्मानित किया। वहीं प्रतियोगिता में शामिल अन्य 50 बच्चों को भी कॉपी और पौधे सांत्वना पुरस्कार के रूप में प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। प्रबोधिनी फाउण्डेशन की संयोजक श्रेया राय ने कहा कि सनातन परंपरा का मूल प्रकृति आधारित रहा है। वर्तमान समय में कृत्रिम एवं रासायनिक पदार्थों के बढ़ते उपयोग से प्राकृतिक जीवनशैली और शुद्धता प्रभावित हो रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रथम पूज्य भगवान गणेश की पूजा के पावन पर्व पर बच्चों के माध्यम से प्रकृति संरक्षण और प्राकृतिक वस्तुओं के उपयोग के प्रति जागरूकता पैदा करने की पहल की गई है। उन्होंने कहा कि बचपन से ही बच्चों को प्रकृति के करीब लाने और प्राकृतिक संसाधनों के महत्व से परिचित कराने से उनमें पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता विकसित की जा सकती है। प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों को रचनात्मक गतिविधि के साथ प्राकृतिक रंगों और पारंपरिक तरीकों का अनुभव भी कराया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रबोधिनी फाउण्डेशन के महासचिव विनय शंकर राय ने किया। अंत में संयोजक श्रेया राय ने सभी प्रतिभागियों, अभिभावकों, शिक्षकों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में कृपा शंकर, सुजीत सिंह, शशिकांत मिश्रा, संतोष यादव, अखिलेश मिश्रा, ललिता विश्वकर्मा, रेखा देवी, दीक्षा सिंह, अनीता मिश्रा, सगुन मिश्रा, नेहा मिश्रा एवं चंद्रशेखर राजभर सहित अन्य लोगों की सहभागिता रही।

# ललित अरोड़ा एवं उसकी पत्नी को प्रतिष्ठित पुरस्कार से किया गया सम्मानित

अनिल वशिष्ठ

**मोदीनगर(वेलकम इंडिया)।** पंजाबी मंच मोदीनगर के अध्यक्ष ललित अरोड़ा एवं उनकी पत्नी श्रीमती वंदना अरोड़ा को 2 प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। ललित अरोड़ा ने बताया कि कृष्णा इन्वेस्टर बाजार परिवार और हमारी टीम के लिए एक ऐतिहासिक दिनज़िंदगी का सबसे खूबसूरत और ऐतिहासिक पल हमारे पूरे जीवन में पहली बार ऐसा हुआ है जब हमें एक ही दिन में दो प्रतिष्ठित पुरस्कारों (प्रतिष्ठित पुरस्कार) हेल्थ और एसएमई क्लब की सदस्यता से नवाजा गया है। लेकिन यह कामयाबी हमारे लिए और भी ज्यादा खास और

अनमोल तब बन गई, जब स्टेज पर मैं और मेरी पत्नी वंदना अरोड़ा दोनों एक साथ इस सम्मान को स्वीकार करने के लिए खड़े हुए। हम दोनों को एक साथ मंच पर बुलाया जाना और दोनों के हाथों में चमकती हुई ट्रॉफी होना, हमारे लिए बेहद भावुक और गर्व का क्षण है।

जयपुर में 'इंडसइंड जनरल इंश्योरेंस' की तरफ से आयोजित इस भव्य और बेहद शानदार अवॉर्ड्स नाइट में हमें यह सम्मान मिला। इस विशेष अवसर पर हमारे मार्गदर्शक नेशनल हेड सौम्य प्रकाश मिश्रा ,नॉर्थ हेड पवन शर्मा एवं जोनल हेड पंकज मिश्रा वहां मौजूद रहे।

सौम्या मिश्रा पवन शर्मा और पंकज मिश्रा का अटूट सहयोग और निरंतर सपोर्ट हमेशा हमारे साथ रहा है, और उनकी गरिमामयी उपस्थिति ने और भी यादगार बना दिया।खुशी तब और दोगुनी हो गई जब हमारी जान से प्यारी टीम के स्तंभ विपिन वर्मा भी इस शानदार समारोह में हमारे साथ मौजूद थे, उन्हें भी वहां अवॉर्ड मिला और वे गर्व से मंच पर गए! हमारे साथी सुलभ माहेश्वरी का भी अवॉर्ड में नाम था, लेकिन वे किसी कारणवश वहां नहीं जा पाए, पर उनका योगदान हमारे लिए बेहद मायने रखता है।

यह सिर्फ हमारी नहीं, बल्कि हमारी पूरी टीम की एकजुट मेहनत और आप सभी के अटूट भरोसे की जीत है। उन्होंने कहा कि जयपुर की यह शानदार रात और यह दोनों चमकती हुई ट्रॉफियां हमें जिंदगी भर याद रहेंगी। 'इंडसइंड जनरल इंश्योरेंस' टीम और हमारे सभी सीनियर्स का सहृदय धन्यवाद, जिनकी बदौलत आज हम इस मुकाम पर हैं।

# शूटिंग प्रतियोगिता में मोदी कॉलेज के छात्र का चयन राष्ट्रीय स्तर के लिए हुआ

अनिल वशिष्ठ

**मोदीनगर(वेलकम इंडिया)।** डॉ के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज मोदीनगर गाजियाबाद में महर्षि दयानंद इंटर कॉलेज पिलोना मवाना मेरठ में आयोजित राज्य स्तर की शूटिंग प्रतियोगिता मे छात्र का चयन राष्ट्रीय स्तर पर होने पर विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश चंद्र अग्रवाल और उपस्थित शिक्षकों ने ट्रॉफी के साथ छात्रों को सम्मानित किया विद्यालय के प्रधानाचार्य ने बताया कि राज्य स्तर की शूटिंग प्रतियोगिता में विद्यालय के पांच छात्रों ने प्रतिभाग किया था जिसमें से कक्षा 12E1 के एक छात्र विनय सिंह का इस प्रतियोगिता में चयन राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता

के लिए हो गया । अब यह छात्र भोपाल मध्य प्रदेश में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता मैं उत्तर प्रदेश की तरफ से प्रतिनिधित्व करेगा।

अब तक विद्यालय के विभिन्न खेलों में पांच छात्रों का चयन राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में हो गया है यह विद्यालय प्रशासन के लिए बहुत गर्व का विषय है।

## भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा कार्य समिति की बैठक को भव्य बनाने की अपील: बी डी शर्मा

अनिल वशिष्ठ

**मोदीनगर(वेलकम इंडिया)।** अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित बी डी शर्मा ने सभी राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्यों को इस कार्यकारिणी में आमंत्रित किया है! बी. डी. शर्मा बताया की 20 और 21 सितंबर को शिव धाम, शुक्रताल मुजफ्फरनगर में राष्ट्रीय कार्य समिति की बैठक आयोजित की जा रही है ' जिसमें विभिन्न राज्यों से राष्ट्रीय कार्य समिति के सदस्यों को आमंत्रित किया गया है। इस कार्य समिति में आजीवन सदस्यों में से लगभग 130 लोगों को आमंत्रित किया गया है। बी.डी.शर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय कार्य समिति में उन्हीं लोगों को सम्मिलित किया जाता है। जिनकी आजीवन सदस्यता है ' उन्हें में से कार्यकारिणी के सदस्यों को मनोनीत किया गया है ' अबकी बार लगभग 130 कार्य समिति के सदस्य हैं,जो शुक्रताल में आमंत्रित किए गए हैं।जो सदस्य आजीवन सदस्य नहीं है ' वह कार्य समिति का सदस्य नहीं हो सकता ' बी डी शर्मा ने बतलाया की सभी प्रदेशों के प्रदेश अध्यक्ष. महामंत्री.सभी

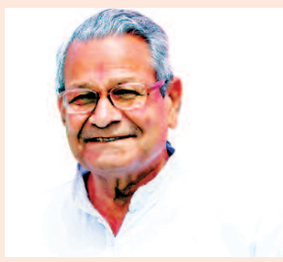

मंडलों के मंडल अध्यक्ष.एवं महामंत्री सभी जिलों के जिला अध्यक्ष एवं महामंत्री कार्य समिति में पदेन सदस्य होते हैं। आप सभी सादर आमंत्रित हैं चाहे वह आजीवन सदस्य है या नहीं। इस कार्यक्रम को दो दिन का इसलिए रखा गया है कि एक दिन में संपूर्ण विषय पर चर्चा नहीं की जा सकती। इसलिए 2 दिन की कार्य समिति रखी गई है ' महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मधु भारद्वाज और युवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिन्मय भारद्वाज इस कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे ' संपूर्ण सूचना राष्ट्रीय महामंत्री शिव मोहन भारद्वाज ने सभी कार्य समिति के सदस्यों व्हाट्सएप एवं फोन के माध्यम से दे दी है।

## बीएलओ क्षेत्र में भ्रमण करके अधिक से अधिक पात्र मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में जोड़ने के लिए फॉर्म नंबर 6 भरें: उपजिलाधिकारी

अनिल वशिष्ठ

**मोदीनगर(वेलकम इंडिया)।** उपजिलाधकारी श्रीमती कोमल पवार ने आगामी विधानसभा चुनाव 2027 के मद्देनजर सम्बंधित सभी बीएलओ को निर्देशित किया गया कि क्षेत्र में भ्रमण करके अधिक से अधिक पात्र मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में जोड़ने के लिए फॉर्म नंबर 6 भरें। जिससे एपिक रेशों और जेंडर रेशों में सुधार हो सके।

मोदीनगर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/ उप जिलाधिकारी श्रीमती कोमल पंवार की अध्यक्षता में 7 सितंबर से 16 सितंबर तक बीएलओ के साथ बैठक/ प्रशिक्षण प्रस्तावित था।

जिसमे बुधवार 16- सितंबर को सम्बंधित बीएलओ को निर्देशित

किया गया कि बीएलओ क्षेत्र में भ्रमण करके अधिक से अधिक पात्र मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में जोड़ने के लिए फॉर्म नंबर 6 भरें। जिससे एपिक रेशों और जेंडर रेशों में सुधार हो सके। फॉर्म 6 भरने के लिए मतदाता 12 तरह के दस्तावेज में से कोई भी एक दस्तावेज बीएलओ को उपलब्ध करा सकता है ' दस्तावेजों में1- केंद्र/ राज्य सरकार के कर्मचारी या पेंशन भोगी का पहचान पत्र,2- 1 जुलाई 1987 से पहले जारी स्थानीय निकाय या बैंक या डाकखाना या एलआईसी द्वारा पासबुक,3- जन्म प्रमाण पत्र,4- मैट्रिक्स या हाई स्कूल या अन्य शैक्षिक प्रमाण पत्र,5- पासपोर्ट, 6- जाति प्रमाण पत्र, 7- स्थाई निवास प्रमाण पत्र,8- वन अधिकार प्रमाण पत्र 9- परिवार रजिस्टर नकल, 10- एनसीआर संबंधित दस्तावेज (जहां एनसीआर हो गई है), 11- सरकार द्वारा जारी मकान क्या जमीन का आवंटन प्रमाण पत्र,12- आधार कार्ड केवल पहचान के रूप में मान्य होगा।

बीएलओ अरुण कुमार त्यागी द्वारा परिवार रजिस्टर नकल के बारे मे सुझाव प्रस्तुत किया गया।

## प्रस्तावित कार्यों एवं जन समस्याओं को लेकर सांसद डॉक्टर राजकुमार सांगवान ने अधिकारियों से की वार्ता

अनिल वशिष्ठ

**मोदीनगर(वेलकम इंडिया)।** नगर पालिका परिषद में कार्यालय में बुधवार को नगर में प्रस्तावित कार्यों एवं जनसमस्याओं को लेकर सांसद डॉक्टर राजकुमार सांगवान विधायक डॉ मंजू सिवाच ने अधिकारियों के साथ एक बैठक की तथा नगर में प्रस्तावित सभी कार्य को समय पर पूर्ण करने के लिए कहा। बैठक में कुछ अधिकारियों के ने पहुंचने पर सांसद ने कड़ी नाराजगी जताई और कहां की जनहित में सभी प्रस्तावित कार्य समय से पूर्ण होने चाहिए इस मौके पर सांसद डॉक्टर राजकुमार सांगवान विधायक डॉ मंजू सिवाच ने नगर के लोगों एवं सभासदों से भी वार्ता की और जन समस्याओं को जाना और उनके शीघ्र निराकरण करने का भी आश्वासन दिया इस मौके पर उपजिलाधकारी श्रीमती कोमल पंवार, पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली, अधिशासी अधिकारी नरेंद्र मोहन मिश्रा, सहित सभासद मौजूद रहे।

# रंग-बिरंगी झांकियों के साथ आज निकलेगी गणपति विसर्जन शोभायात्रा

वेलकम इंडिया संवाददाता

**गाजियाबाद।** सिद्धपीठ श्री दूधेश्वरनाथ मठ महादेव मंदिर में चल रहे भव्य श्री दूधेश्वर गणपति लड्डू महोत्सव के तीसरे दिन बुधवार को भगवान श्री गणेश का विशेष पूजन-अभिषेक किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक अनुष्ठानों के बीच भगवान गणेश के 1000 नामों का उच्चारण करते हुए लड्डू और दूर्वा अर्पित की गई।

आज महोत्सव के समापन अवसर पर श्री दूधेश्वरनाथ मंदिर से भगवान श्री गणेश की भव्य विसर्जन शोभायात्रा निकाली जाएगी। रंग-बिरंगी झांकियों से सजी शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

महोत्सव के तीसरे दिन मंदिर के पीठाधीश्वर एवं दिल्ली संत महामंडल के अध्यक्ष श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज की अध्यक्षता में भगवान श्री गणेश का विशेष अभिषेक, श्रृंगार और सहस्त्रनाम पूजन संपन्न हुआ। दूधेश्वर वेद विद्यापीठ के आचार्यों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधान से पूजन कराया। गणपति सहस्त्रनाम के दौरान भगवान श्री गणेश के एक हजार पवित्र नामों का उच्चारण किया गया। इसके साथ ही भक्तिभाव से लड्डू और दूर्वा अर्पित की गई। पूजन के बाद भगवान गणेश का दिव्य श्रृंगार कर महाआरती की गई और श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। इस धार्मिक आयोजन में दिल्ली संत महामंडल के महामंत्री महामंडलेश्वर नवल किशोर दास महाराज, सचिव महंत कंचन गिरि महाराज, महंत धीरेंद्र पुरी महाराज, कोषाध्यक्ष एवं लंबे हनुमान मंदिर करोल बाग के महंत रमन गिरि महाराज, कोतवाल मंगल दास महाराज, प्राचीन देवी मंदिर गाजियाबाद के श्रीमहंत गिरिशानंद गिरि महाराज, महंत महेश दास महाराज तथा ज्योतिष भवन अयोध्या के राकेश तिवारी सहित अनेक संत-महात्माओं की उपस्थिति रही।

# UGC-आरक्षण सुधार की मांग पर दादरी में गरजा सवर्ण समाज, तहसील परिसर में जमकर नारेबाजी

कपिल चौहान

**ग्रेटर नोएडा (वेलकम इंडिया)।** UGC और आरक्षण व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर बुधवार को दादरी तहसील परिसर में सवर्ण समाज के लोगों ने जोरदार प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में जुटे प्रदर्शनकारियों ने अपनी मांगों के समर्थन में जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन को देखते हुए तहसील परिसर में भारी पुलिस बल तैनात किया गया। प्रदर्शनकारियों की ओर से दादरी से जिला कलेक्ट्रेट तक पदयात्रा निकालकर अधिकारियों को ज्ञापन सौंपने का प्रस्ताव था।

तहसील परिसर में प्रदर्शनकारियों के जुटने की सूचना पर प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और उनसे बातचीत कर स्थिति

को शांतिपूर्ण बनाए रखने की अपील की। प्रदर्शनकारियों ने UGC से जुड़े नियमों तथा आरक्षण व्यवस्था में सुधार की मांग उठाई। अधिकारियों ने उनकी मांगों को सुना और नियमानुसार कार्रवाई का भरोसा दिया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस बल पूरे समय मौके पर तैनात रहा।

## समाजसेवी स्व० मास्टर श्यामवीर सिंह को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की

अनिल वशिष्ठ

**मोदीनगर(वेलकम इंडिया)।** भाजपा नेता संजय चौधरी भदौला निवासी के पिताजी समाजसेवी स्वर्गीय स्व० श्री मास्टर श्यामवीर सिंह की तेहरवीं पर आयोजित शोक सभा में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं एवं समाजसेवियों में गणमान्य लोगों ने पहुंचकर अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में सांसद डॉ राजकुमार सांगवान विधायक डॉ मंजू शिवाच, पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा दिनेश सिंघल,पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली, कोऑपरेटिव बैंक चेयरमैन नरेश अमराला, भाजपा नेता दीपक चौधरी बडायला, देवेंद्र चौधरी डायमंड, अमित चौधरी, ललित त्यागी सभासद,रालोद के वरिष्ठ नेता अमरजीत बिड्डी, लोक दल जिला अध्यक्ष रामपाल,रालोद की जिला अध्यक्ष सुमन चौधरी, रालोद के जिला उपाध्यक्ष योगेश फफराना, राहुल प्रधान,सत्येंद्र तोमर सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ,सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग थे। स्वर्गीय मास्टर श्यामवीर सिंह के पुत्र धर्मेंद्र सिंह, संजय चौधरी पौत्रः अनुज, विकास, तुषार, प्रतीक ने श्रद्धांजलि सभा में पहुंचने वालों का आभार व्यक्त किया।

## पंजाबी मंच द्वारा मेधावी छात्र-छात्रा सम्मान समारोह का आयोजन 17 सितंबर को

अनिल वशिष्ठ

**मोदीनगर(वेलकम इंडिया)।** पंजाबी मंच, मोदीनगर द्वारा मेधावी छात्र-छात्रा सम्मान समारोह का आयोजन गुरुवार 17 सितंबर को किया जा रहा है। पंजाबी मंच मोदीनगर के अध्यक्ष ललित अरोड़ा ने बताया कि इस विशेष समारोह में मोदीनगर क्षेत्र के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों और प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया जाएगा। ललित अरोड़ा ने बताया कि 17 सितंबर गुरुवार को शाम में 6:30 बजे गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा गुरुद्वारा रोड मोदीनगर पर मेधावी छात्र-छात्रा सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर मंच के पदाधिकारीगण एवं समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहेंगे।

## सेवा संकल्प अभियान से बूथ-बूथ पहुंचेगा भाजपा का संगठन, 2027 की तैयारियों पर भी फोकस

कपिल चौहान

**गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर भाजपा महानगर द्वारा 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलाए जाने वाले ह्यसेवा संकल्प अभियानह्ल की तैयारियों को लेकर महानगर कार्यालय पर बैठक हुई। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में आयोजित बैठक में अभियान के विभिन्न आयामों की समीक्षा की गई और संयोजकों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। मयंक गोयल ने कहा कि अभियान को प्रभावी बनाने के लिए बूथ स्तर तक ठोस कार्ययोजना तैयार कर उसे धरातल पर उतारा जाए। उन्होंने 17 सितंबर को महानगर के सभी बूथों पर सेवा कार्य कराने और शाम को प्रत्येक बूथ पर 200 दीपक प्रज्वलित करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि अभियान के माध्यम से केंद्र और प्रदेश सरकार की उपलब्धियों व जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाई जाएगी। साथ ही वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक सक्रिय करने पर जोर दिया गया।

अभियान के महानगर संयोजक पंकज भारद्वाज तथा सह-संयोजक सचिन डेढ़ा और रिचा भदौरिया ने भी बूथ व सेक्टर स्तर पर कार्यक्रमों को गति देने की बात कही। बैठक में गौरव चोपड़ा, प्रदीप चौहान, राम त्यागी, ललित कश्यप, महेंद्र यादव, आशीष चौधरी, रनीता सिंह, विनोद कसाना, मेहताब त्यागी और नीरज शर्मा समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## बंधक बनाकर मांगे एक लाख, दो रिकवरी एजेंट गिरफ्तार

कपिल चौहान

**गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)।** वेव सिटी थाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान बाइक सवार युवक को अवैध तमंचे के साथ पकड़े जाने के बाद सामने आए बंधक बनाकर एक लाख रुपये मांगने के मामले में दो रिकवरी एजेंटों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से .315 बोर का अवैध देशी तमंचा और दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार 16 सितंबर को लालकुआं चौकी क्षेत्र में फाइनेंसर के रिकवरी एजेंटों ने बाइक सवार दो युवकों को रोककर चेकिंग की। इस दौरान विवाद हो गया और आरोप है कि बाइक सवारों ने एजेंटों को तमंचा दिखाकर धमकी दी। एजेंटों ने एक युवक अलहज निवासी बरेली को पकड़कर पुलिस के हवाले किया, जबकि दूसरा फरार हो गया। मामले में अलहज के खिलाफ बीएनएस और आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

इसके बाद अलहज के भाई ने आरोप लगाया कि रिकवरी एजेंटों ने उसके भाई को कई घंटे गाड़ी में बंधक बनाकर रखा और छोड़ने के बदले एक लाख रुपये मांगे। कॉल की रिकॉर्डिंग भी पुलिस को दी गई। तहरीर के आधार पर पुलिस ने रिकवरी एजेंटों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। सीसीटीवी फुटेज की मदद से पुलिस ने दीपक यादव और प्रिंस यादव, दोनों निवासी शाहपुर बम्हैटा, को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

# गाजियाबाद में यातायात व्यवस्था को मिला नया ढांचा, 6 से बढ़कर 9 हुए सब-जोन

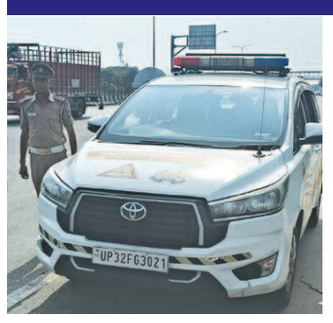

**कपिल चौहान**

**गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)।** शहर में बढ़ते यातायात दबाव, जाम और सड़क दुर्घटनाओं की चुनौतियों से निपटने के लिए कमिश्नरेट गाजियाबाद की यातायात पुलिस ने व्यवस्था को और मजबूत किया है। यातायात प्रबंधन को त्रिस्तरीय ढांचे में पुनर्गठित करते हुए क्षेत्र को तीन मुख्य जोन और नौ सब-जोन में विभाजित किया गया है।

तीनों जोन की जिम्मेदारी सहायक पुलिस आयुक्त यातायात स्तर के अधिकारियों को सौंपी गई है, जबकि प्रत्येक सब-जोन में यातायात निरीक्षक तैनात किए गए हैं।

इससे स्थानीय स्तर पर यातायात नियंत्रण, निगरानी और आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई को गति मिलने की उम्मीद है।

यातायात निरीक्षकों के लिए नौ सब-जोन कार्यालय तैयार किए जा रहे हैं। इनमें आठ कार्यालयों का निर्माण पूरा होकर संचालन शुरू हो चुका है, जबकि एक कार्यालय का निर्माण अंतिम चरण में है।

पुलिस के मुताबिक आधुनिक तकनीक, प्रशासनिक सुधार और विभिन्न विभागों के बेहतर समन्वय के जरिए नागरिकों को सुरक्षित, सुगम और बाधारहित आवागमन उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है।

## जन-जन तक पहुंचेगी सरकारी योजनाओं की जानकारी, सेवा संकल्प अभियान पर मंथन

**कपिल चौहान**

**गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)।** नगर निगम मुख्यालय के सभागार कक्ष में सेवा संकल्प अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन एवं आगामी कार्ययोजना को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर आयुक्त, समस्त पार्षदगण एवं नगर निगम के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने, अधिक से अधिक जनसहभागिता सुनिश्चित करने तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी आमजन तक पहुंचाने पर विस्तार से चर्चा की गई।

अधिकारियों एवं पार्षदों को अभियान के सफल संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान क्षेत्रवार कार्ययोजना तैयार करने, नागरिकों को योजनाओं का लाभ दिलाने और विकास कार्यों की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया।

नगर निगम स्तर पर अभियान की गतिविधियों को बेहतर समन्वय के साथ संचालित करने की रणनीति भी तय की गई। बैठक में अभियान के उद्देश्यों को प्रभावी रूप से धरातल पर उतारने के लिए अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों से सक्रिय सहभागिता की अपेक्षा की गई।

## गाजियाबाद में नकली जिम सप्लीमेंट फैक्ट्री का खुलासा, 50 लाख का माल बरामद

### पैकेट असली, अंदर माल नकली; गाजियाबाद में सप्लीमेंट गिरोह का भंडाफोड़

**कपिल चौहान**

**गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)।** शालीमार गार्डन थाना पुलिस और स्वाट/सर्विलांस टीम ट्रांस हिंडन जोन ने नकली जिम सप्लीमेंट और एलोपैथिक दवाएं तैयार कर बाजार में बेचने वाले गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर करीब 50 लाख रुपये कीमत का नकली सप्लीमेंट और एलोपैथिक दवाओं का तैयार माल बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दिलीप पांडेय, वीरमान उर्फ रवि, सतेंद्र उर्फ लड्डू, हनी कुलश्रेष्ठ और आर्यन के रूप में हुई है। पूछताछ में पता चला कि आरोपी खाली पैकेट, प्रिंटेड लेबल, मोनो कार्टन और प्लास्टिक की शीशियां खरीदकर उनमें नकली उत्पाद तैयार करते थे। इसके बाद प्रतिष्ठित कंपनियों के नाम से पैक कर माल बाजार में खपाया जाता था।

पुलिस के अनुसार, आरोपी दिल्ली निवासी आदिल से पैकेजिंग सामग्री लेते थे। तैयार उत्पाद विजयनगर स्थित 'Nutrition World' और 'Nutrition Adda' के माध्यम से बेचे जाने की बात सामने आई है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

## 15वीं मंजिल से गिरी 16 वर्षीय किशोरी की मौत, सुसाइड नोट में अकादमिक दबाव का जिक्र

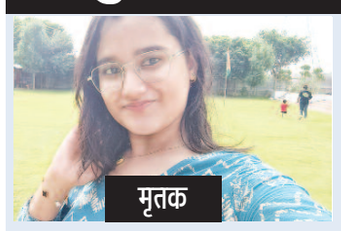

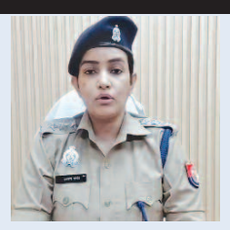
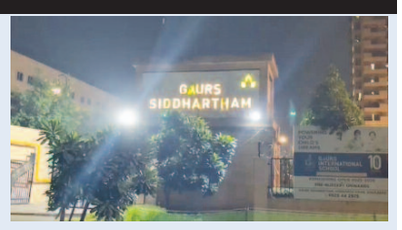


**कपिल चौहान**

**गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)।** विजयनगर थाना क्षेत्र स्थित गौर सिद्धार्थम सोसाइटी में मंगलवार शाम उस समय हड़कंप मच गया, जब 16 वर्षीय किशोरी 15वीं मंजिल से गिर गई। गंभीर हालत में उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस को घटनास्थल की जांच के दौरान एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें अकादमिक दबाव का जिक्र किया गया है।

थाना विजयनगर प्रभारी निरीक्षक धर्मपाल सिंह के अनुसार घटना शाम करीब 6:30 बजे की है। करीब सात बजे डायल-112 के माध्यम से पुलिस को सूचना मिली।

पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर किशोरी को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी। मृतका की पहचान शनाया विष्ट (16), निवासी आई टावर, गौर सिद्धार्थम सोसाइटी के रूप में हुई है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है। सुसाइड नोट के आधार पर अकादमिक दबाव की बात सामने आई है। पुलिस घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है और आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

## नशीले पाउडर की तस्कर महिला गिरफ्तार, 126 ग्राम माल बरामद

**गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)।** क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस ने नशीले पाउडर की तस्करी करने वाली महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 126 ग्राम अवैध नशीला पाउडर बरामद किया है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया। पूछताछ में महिला ने दिल्ली से नशीला पाउडर लाकर छोटी-छोटी पुडिय़ा तैयार कर आसपास के नशा करने वालों को बेचने की बात स्वीकार की है। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि बुधवार को क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस ने ऑपरेशन प्रहार के तहत बीआर इंटरनेशनल स्कूल के पास चेकिंग अभियान चलाया था। इसी दौरान संदिग्ध हालत में घूम रही महिला को रोककर तलाशी ली गई।

## क्रॉसिंग रिपब्लिक में नशीले पाउडर की तस्करी का खुलासा, महिला गिरफ्तार

**कपिल चौहान**

**गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)।** थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस ने नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे ह्यऑपरेशन प्रहारह्ल के तहत कार्रवाई करते हुए एक महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी के कब्जे से 126 ग्राम अवैध नशीला पाउडर एल्प्राजोलम बरामद हुआ है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार महिला की पहचान शबनम (34) के रूप में हुई है। पुलिस टीम ने उसे क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना क्षेत्र में बीआर इंटरनेशनल स्कूल के पास से गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके पास से 126 ग्राम एल्प्राजोलम बरामद किया गया। बरामदगी के आधार पर थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक में आरोपी के खिलाफ धारा 8/22 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

## पार्श्वनाथ मजेस्टिक के फ्लैट में भीषण आग, फायर टीम ने समय रहते पाया काबू

**कपिल चौहान**

**गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)।** इंदिरापुरम के वैभव खंड स्थित पार्श्वनाथ मजेस्टिक आवासीय परिसर में बुधवार दोपहर तीसरी मंजिल के एक फ्लैट में भीषण आग लग गई। आग की सूचना दोपहर 1:32 बजे वैशाली फायर स्टेशन को मिली। सूचना मिलते ही दो फायर टेंडर और एक वाटर बाउजर मौके पर भेजे गए। मुख्य अग्निशमन अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य का निर्देशन किया।

फायर कर्मियों ने होज पाइप के जरिए फ्लैट में प्रवेश कर आग बुझाने का अभियान शुरू किया। तत्परता और समन्वित प्रयासों से आग पर जल्द ही पूरी तरह काबू पा लिया गया। टीम ने आग को आसपास के फ्लैटों तक फैलने से भी रोक लिया।

अग्निकांड के समय फ्लैट संख्या डी-304 में कोई व्यक्ति नहीं फंसा था। सभी लोग समय रहते भवन से बाहर निकल चुके थे।

फ्लैट में मौजूद करीब 60 वर्षीय अनीता खेत्रपाल सुरक्षित रहीं। हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, हालांकि फ्लैट में रखा घरेलू सामान आग की चपेट में आकर जलकर क्षतिग्रस्त हो गया।

## कनावनी में किसानों का 34वें दिन भी धरना, बोले- नाम बहाल होने तक नहीं हटेंगे

**कपिल चौहान**

**गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)।** कनावनी गांव में राजस्व अभिलेखों और खतौनियों में किसानों के नाम बहाल कराने की मांग को लेकर चल रहा धरना बुधवार को लगातार 34वें दिन भी जारी रहा। किसानों ने ऐलान किया कि राजस्व रिकॉर्ड में उनके नाम दर्ज होने तक आंदोलन जारी रहेगा। किसानों का कहना है कि निर्धारित समय-सीमा में अवॉर्ड नहीं बनाए जाने के बाद न्यायालय के आदेश के अनुसार प्राधिकरण के अधिकार समाप्त हो चुके हैं। ऐसे में राजस्व अभिलेखों में किसानों के नाम पुनः दर्ज किए जाने चाहिए। किसानों ने कहा कि वे जमीन और राजस्व अधिकारों की बहाली के लिए शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रखेंगे। धरना स्थल पर मकनपुर, अर्थला, साहिबाबाद, पहलादगढ़ी समेत आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे और आंदोलन को समर्थन दिया। इस दौरान कैलाश नगर, मथन सिंह नागर, चतर सिंह, श्याम सिंह, विनोद नागर, परवीन नागर, सतीश नागर, अशोक कसाना और रणवीर बैसला समेत अनेक किसान मौजूद रहे।

## पुराने चकबंदी वादों के निस्तारण में देरी बर्दाश्त नहीं: रविन्द्र कुमार मांदड़

**वेलकम इंडिया संवाददाता**

**गाजियाबाद।** महात्मा गांधी सभागार, विकास भवन में बुधवार को जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय चकबंदी कार्यों की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में जिले में चल रहे चकबंदी कार्यों, लंबित वादों, अभिलेखों को पूर्ण करने तथा आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की प्रगति की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को पुराने मामलों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी को निर्देशित किया कि जिन गांवों में चकबंदी कार्य का विरोध है, वहां नियमानुसार चकबंदी से बाहर किए जाने के लिए धारा-6 के प्रस्ताव प्रस्तुत किए जाएं।

वहीं, ग्राम सिरोरा सलेमपुर और नेकपुर साबितनगर के अंतिम अभिलेखों को जल्द पूरा कराते हुए नियमानुसार धारा-27 की कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि तीन माह और उससे अधिक पुराने वादों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित किया जाए। लंबित प्रकरणों के निस्तारण में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए और प्रत्येक मामले में नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि चकबंदी से संबंधित कार्यों को समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पूरा किया जाए। बैठक में आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की भी समीक्षा हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायतों का निस्तारण केवल औपचारिकता तक सीमित न रहे, बल्कि प्रत्येक शिकायत का गुणवत्तापूर्ण और संतोषजनक समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि चकबंदी कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही या शिथिलता मिलने पर संबंधित अधिकारी-कर्मचारी की जवाबदेही तय की जाएगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ, एडीएम न्यायिक एवं उप संचालक चकबंदी अंजली गंगवार, बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी, सहायक चकबंदी अधिकारी समेत विभाग के संबंधित अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

## 2 हजार से अधिक वढकभुगतान पर टैक्स की खबर से व्यापारियों में भ्रम

**वेलकम इंडिया संवाददाता**

**नई दिल्ली।** पिछले 24 घंटों से 2 हजार से अधिक के UPI लेनदेन पर टैक्स लगाए जाने की चर्चा से व्यापारियों और आम लोगों के बीच भ्रम की स्थिति बनी हुई है। इसको लेकर अखिल भारतीय औद्योगिक एवं व्यापार महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता इंदरजीत सिंह टीटू ने केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण से स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है।

टीटू ने कहा कि एक व्यापारी होने के नाते वह देशभर के व्यापारियों की चिंता को सरकार तक पहुंचाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि व्यापारियों के बीच यह सवाल लगातार उठ रहा है कि क्या 2 हजार से अधिक का वढक भुगतान करने पर सरकार की ओर से किसी प्रकार का टैक्स वसूला जाएगा।

उन्होंने वित्त मंत्री से विनम्र आग्रह किया कि इस संबंध में सरकार की ओर से आधिकारिक रूप से स्थिति स्पष्ट की जाए, ताकि व्यापारियों और आम नागरिकों के बीच फैला भ्रम दूर हो सके।

टीटू ने कहा कि यदि 2 हजार से अधिक के UPI लेनदेन पर कोई नया टैक्स लागू नहीं है, तो सरकार को इसकी स्पष्ट जानकारी सार्वजनिक करनी चाहिए। इससे व्यापारियों और आम जनता में बनी आशंका समाप्त होगी।

उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार व्यापारियों की इस चिंता को गंभीरता से लेते हुए जल्द स्थिति स्पष्ट करेगी और व्यापारी वर्ग के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी।

## किसान दिवस में डीएम का फरमान, कलछीना के नाले में सिंचाई का पानी न पहुंचने पर तीन दिन में मांगी जांच रिपोर्ट

**वेलकम इंडिया संवाददाता**

**गाजियाबाद।** विकास भवन स्थित दुर्गावती देवी सभागार में बुधवार को जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मादंड़ की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन किया गया। किसान दिवस में जिलेभर से पहुंचे करीब 120 किसानों ने अपनी समस्याएं और शिकायतें अधिकारियों के सामने रखीं। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को किसानों की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। किसान दिवस की शुरूआत उप कृषि निदेशक आशीष कुमार सिंह ने पिछले किसान दिवस में प्राप्त शिकायतों की अनुपालन आख्या प्रस्तुत कर की। उन्होंने किसानों को विभागवार शिकायतों के निस्तारण की स्थिति से अवगत कराया। कुछ शिकायतों का समाधान होने पर किसानों ने संतोष व्यक्त किया। वहीं, जिन शिकायतों के संबंध में संबंधित विभागों से संतोषजनक आख्या प्राप्त नहीं हुई, उन्हें लेकर जिलाधिकारी ने गंभीरता दिखाई और संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। कुछ मामलों में टीम गठित कर मौके पर निरीक्षण कराने को भी कहा गया। बैठक में विकास खंड भोजपुर के ग्राम कलछीना में नाले में सिंचाई के लिए पानी नहीं पहुंचने की शिकायत सामने आई। इस पर जिलाधिकारी ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को तीन दिन के भीतर मौके पर निरीक्षण कर रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। वहीं, मोदीनगर सब्जी मंडी में पानी की टंकियां खराब होने के कारण आम लोगों और किसानों को पेयजल की समस्या होने की शिकायत पर मंडी समिति के सचिव को दो दिन के भीतर पेयजल व्यवस्था दुरुस्त कर रिपोर्ट देने को कहा गया। विकास खंड रजापुर के ग्राम दौसा बंजारपुर में मिट्टी खनन की शिकायत पर जिला खनन अधिकारी को शिकायतकर्ता से संपर्क कर तत्काल जांच और रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। इसी तरह लोनी क्षेत्र के किसान डॉ. चाणक्य ने ग्राम फरूखनगर से सिरौरा तक जाने वाले रास्ते के क्षतिग्रस्त होने की समस्या रखी। जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को शिकायतकर्ता से संपर्क कर मौके का निरीक्षण करने और आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।